



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-15] रुड़की, शनिवार, दिनांक 08 मार्च, 2014 ई0 (फाल्गुन 17, 1935 शक सम्वत्) [संख्या-10

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
		रु0
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ...	—	3075
भाग 1—विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	105-145	1500
भाग 1-क—नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	51	1500
भाग 2—आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	365-379	975
भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7—इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां ...	—	975
भाग 8—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	—	975
स्टोर्स पर्चेज-स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि ...	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस
संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

अधिसूचना

विविध

24 जनवरी, 2014 ई0

संख्या 205 /VI/2014-01(07)/2013(418)-श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 की धारा 8 की उपधारा (2) के खण्ड (क) तथा (ख) के अन्तर्गत अधिसूचना संख्या-161/VI/2014-01(07) 2013 दिनांक 24 जनवरी, 2014 द्वारा गठित उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली, 2014 को उपरोक्त तिथि से ही प्रवृत्त किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

अधिसूचना/विविध

24 जनवरी, 2014 ई0

संख्या 161 /VI/2013-01(07)/2013 (418)-श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 (उत्तराखण्ड अधिनियम सं0 12 वर्ष 2001) की धारा 8 की उपधारा (2) के खण्ड (क) तथा (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके उत्तराखण्ड राज्य में पर्यटन सम्बन्धी व्यवसायों तथा संस्थाओं का पंजीकरण, अनुज्ञा, मान्यता तथा इसी प्रकार के कार्य हेतु शुल्क आदि की शर्तें अवधारित किए जाने के क्रम में उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली, 2014 को प्रख्यापित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली, 2014

अध्याय - 1

प्रारम्भिक

- | | | |
|--|----|---|
| संक्षिप्त नाम,
विस्तार और
प्रारम्भ | 1. | <p>(1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम "उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली, 2014" है।</p> <p>(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य में होगा।</p> <p>(3) यह उस तिथि को प्रवृत्त होगा, जो राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा नियत करें।</p> |
| परिभाषाएं | 2. | <p>(1) इस नियमावली में जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हों :-</p> <p>(क) "अधिनियम" से समय-समय पर यथा संशोधित उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 अभिप्रेत है</p> <p>(ख) "राज्य" से उत्तराखण्ड राज्य अभिप्रेत है;</p> <p>(ग) "सरकार" से उत्तराखण्ड राज्य सरकार से है ;</p> <p>(घ) "परिषद्" का तात्पर्य उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अभिप्रेत है;</p> <p>(ङ) "राजपत्र" से उत्तराखण्ड राज्य के राजपत्र अभिप्रेत है;</p> <p>(च) "विहित" से इस नियमावली के अधीन बनाए गए विहित (अन्तर्निहित) नियम अभिप्रेत है;</p> <p>(छ) "विहित प्राधिकारी" से पर्यटन विकास परिषद् द्वारा इस रूप में अधिसूचित/नियुक्त प्राधिकारी अभिप्रेत है;</p> <p>(ज) "स्थानीय प्राधिकरण" से विकास प्राधिकरण, नगर निगम या नगर पालिका परिषद् या छावनी बोर्ड या नगर पंचायत या ग्राम पंचायत या विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अभिप्रेत है;</p> <p>(झ) "पर्यटक" से उत्तराखण्ड राज्य में यात्रा करने वाले यात्रियों/पर्यटकों/साहसिक पर्यटकों सहित, कोई व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह अभिप्रेत है;</p> <p>(ञ) "सक्षम/पुनरीक्षण अधिकारी" से मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अभिप्रेत है</p> |

- (ट) "अपील प्राधिकारी" से अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद अभिप्रेत है
- (ठ) "पंजीकरण प्रमाण-पत्र" से इस नियमावली के अधीन जारी प्रमाण-पत्र अभिप्रेत है
- (ड) "अनाचार" के अन्तर्गत छल; अयथार्थ प्रस्तुतीकरण, पर्यटक सुविधाओं में बाधा डालना; नियत किराये से अधिक किराया या पारिश्रमिक प्रभारित करना, किराए की दरें प्रदर्शित न करना, कैशमैमों/रसीद न देना, अनुबंध के अनुसार अथवा वचनबद्ध सुविधाएं/सेवायें प्रदान न करना, निम्नस्तरीय उपकरण उपलब्ध कराना और कुशल/तकनीकी कार्मिकों की व्यवस्था न करना, आदि
- (ढ) पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय से निम्न पर्यटन इकाईयों अभिप्रेत है -
- (I) आवासीय संबंधी इकाई यथा :-
होटल, मोटल/मार्गीय सुविधा, रिजॉर्ट/हैल्थ-स्पा रिजॉर्ट, टाइमशेयर अपार्टमेंट, मोटर कारवां, अतिथि/यात्री विश्राम गृह, टैन्ट कालोनी/नेचर कैम्प, रिवर/लेक क्रूज/हाउस बोट्स, पेइंग गेस्ट हाउस/बेड एण्ड ब्रेकफास्ट/होमस्टे, धर्मशाला, आश्रम, आदि
- (II) ट्रैवल ट्रेड संबंधी इकाई यथा :-
ट्रैवल एजेन्ट, डोमेस्टिक टुअर ऑपरेटर, एक्सकर्शन एजेन्ट
- (III) खान-पान संबंधी इकाई यथा:-
रेस्टोरेन्ट/बियर बार, फास्ट फूड सेंटर/फूड प्लाजा/फूड कोर्ट, ब्रेकफास्ट भोजन ढावे आदि
- (IV) मनोरंजन संबंधी इकाई यथा:-
आमोद-प्रमोद/थीम/एम्पूजमेन्ट पार्क, गोल्फ कोर्स, रज्जु मार्ग, ध्वनि एवं प्रकाश प्रदर्शन, एंगलिंग (मत्स्य आखेट), आदि
- (V) साहसिक पर्यटन संबंधी इकाई यथा:-
एडवेंचर टुअर ऑपरेटर, क्याकिंग/कैनोइंग/सेलिंग /याटिंग (पाल नौकायन)/बोटिंग (वाटर स्पोर्ट्स), वाटर स्कीइंग, स्नो स्कीइंग, पथारोहण (ट्रेकिंग), पर्वतारोहण, रॉक/कृत्रिम वॉल क्लाइम्बिंग, माउन्टेन बाइकिंग, वाइल्ड लाइफ सफारी/बर्ड वॉचिंग, मोटर कार/मोटर साइकिल रैली, पैरा सेलिंग/पैरा ग्लाइडिंग, बंजी जम्पिंग, हॉट एयर बैलूनिंग, फ्लाईंग फॉक्स, आइस स्केटिंग, एडवेंचर क्लब, रिवर राफ्टिंग, आदि
- (VI) अन्य इकाई यथा:-
हस्तशिल्प/सोविनियर शॉप, योग ध्यान केन्द्र/साधना कुटीर, पर्यटक सूचना केन्द्र, नेचर/एडवेंचर/वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी, आदि।
- (ण) "पर्यटन इकाई ऑपरेटर" से उपनियम (ढ) में वर्णित ऐसे समस्त पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति/इकाई से है जो पर्यटन इकाई का स्वामी हो, या उसका परिचालन करता हो, और इसके अन्तर्गत स्वामी अथवा उसकी ओर से प्रबन्ध करने वाला या परिचालन करने वाले व्यक्तियों अभिप्रेत है;
- (2) शब्द और पदावलि जो इस नियमावली में प्रयुक्त है किन्तु वे परिभाषित नहीं हैं, उनके वहीं अर्थ होंगे, जो उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद अधिनियम, 2001 में दिए गए हैं।

शिथिलता

3.

राज्य सरकार/पर्यटन विकास परिषद् के निर्णयानुसार जन सामान्य के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त सार्वजनिक परिसर अथवा लोक न्यास द्वारा धार्मिक या जन सामान्य के लिए निर्धारित अव्यावसायिक परिसर अथवा जन सामान्य के प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थानीय निकाय या प्रशासकीय विभाग या सार्वजनिक परिसर अथवा सरकार या स्थानीय निकाय/प्राधिकरण या किसी अन्य प्रशासकीय विभाग के प्रबन्ध के अधीन अव्यावसायिक विश्राम-गृह, डाक बंगला, सर्किट हाऊस, निरीक्षण गृह इस नियमावली से आच्छादित नहीं होंगे।

अध्याय-दो**पंजीकरण****पंजीकरण हेतु
आवेदन की
प्रक्रिया**

4.

(1) आवेदक को भिन्न-भिन्न प्रयोजन हेतु नई पर्यटन इकाई के पंजीकरण के लिए विहित प्राधिकारी को **संलग्न अनुलग्नकों** (यथा स्थिति अनुसार) पर निर्धारित प्रारूप में दो प्रतियों में पृथक-पृथक आवेदन करना होगा। आवेदन पत्र के साथ विहित प्राधिकारी के पक्ष में देय आवेदन शुल्क के रूप में **रु0 1000/-** (अहस्तांतरणीय) का बैंक ड्राफ्ट अथवा नकद भुगतान के साथ आवेदन करना होगा। अपूर्ण आवेदन पत्र मान्य नहीं होंगे।

(2) साझेदारी फर्म/कम्पनी/संस्था होने की दशा में प्राधिकार-पत्र (पावर ऑफ अटार्नी) आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा।

(3) आवेदन पत्र उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

(4) कोई भी व्यक्ति/व्यवसायी अपनी नई पर्यटन इकाई का तब तक संचालन नहीं करेगा, जब तक कि उसे इस नियमावली के उपबन्धों के अधीन पंजीकृत नहीं कर लिया जाता है।

(5) इस नियमावली के लागू होने की तिथि से पूर्व से स्थापित इकाई के स्वामी/प्रबन्धक को इन नियमों के लागू होने के नब्बे दिन के भीतर पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा।

(6) आवेदक के पास पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय हेतु एक सुसज्जित कार्यालय होना अनिवार्य होगा, जिसमें पर्यटकों के बैठने की व्यवस्था, टेलीफोन, फैक्स, कम्प्यूटर, इन्टरनेट सुविधा व जनसुविधायें आदि विद्यमान हों।

(7) आवेदक के पास संबंधित पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय के संचालन हेतु वांछित तकनीकी उपकरण, सुरक्षा एवं बचाव संबंधी उपकरण होना अनिवार्य होगा। आवेदक को इस आशय का शपथ पत्र देना होगा कि उसके पास संबंधित पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय के संचालन हेतु वांछित तकनीकी उपकरण, सुरक्षा एवं बचाव संबंधी उपकरण उपलब्ध है।

(8) प्रत्येक आवेदक को संबंधित पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय के संचालन हेतु वांछित तकनीकी/कुशल कार्मिकों के कार्यरत होने की सूची/बायोडाटा आवेदन पत्र के साथ संलग्न करनी होगी।

- (9) यदि पर्यटन इकाई को संचालित करने वाला स्वामी/ प्रबन्धक पर्यटन इकाई में कोई परिवर्तन, विस्तार या परिवर्धन करता है, तो उसे ऐसे परिवर्तन, विस्तार या परिवर्धन की सूचना विहित प्राधिकारी को साठ दिन के भीतर देनी अनिवार्य होगी।
- पंजीकरण की स्वीकृति 5. (1) विहित प्राधिकारी द्वारा कार्यालय में भिन्न-भिन्न प्रयोजनों हेतु प्राप्त आवेदन-पत्रों की सम्यक जाँच के उपरान्त पंजीकरण की कार्यवाही अथवा निरस्त करने के कारणों को अवगत कराते हुये आवेदन पत्र का निस्तारण 60 दिनों की अवधि में किया जायेगा। ऐसा न होने की दशा में आवेदक के पंजीकरण को स्वतः ही स्वीकृत समझा जाएगा।
- (2) विहित प्राधिकारी द्वारा जब तक किसी आवेदक को पंजीकरण से इन्कार नहीं करता, उसे नियमानुसार पांच वर्ष की अवधि हेतु पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा, जिसका पांच वर्ष के पश्चात् गुणावगुण के आधार पर पुनः नवीनीकरण किया जायेगा।
- (3) विहित प्राधिकारी, जब तक कि इन्कार नहीं करता, पर्यटन इकाई ऑपरेटर के नाम और विशिष्टियों को इस प्रयोजन के लिए बनाए गए रजिस्टर में प्रविष्टि करते हुये यथा स्थिति अनुसार पर्यटन इकाई ऑपरेटर को नियमानुसार पंजीकरण का प्रमाण-पत्र जारी करेगा।
- पंजीकरण का नवीनीकरण 6. सभी पंजीकृत इकाइयों को अपनी इकाई के नवीनीकरण हेतु नियम 4 की भांति ही पंजीकरण समाप्त होने की तिथि से दो माह पूर्व विहित प्राधिकारी को अपना आवेदन प्रस्तुत करना होगा।
- पंजीकरण शुल्क 7. विहित प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् द्वारा अवधारित निर्धारित पंजीकरण शुल्क वसूल किया जायेगा। परिषद् द्वारा पंजीयन शुल्क का पुनरीक्षण हर तीसरे वर्ष किया जायेगा।
- पर्यटन इकाई ऑपरेटर के पंजीकरण से इन्कार 8. (1) विहित प्राधिकारी, इस नियमावली के अधीन या यथा स्थिति अनुसार, पर्यटन इकाई ऑपरेटर का पंजीकरण निम्नलिखित में से किसी आधार पर करने से इन्कार कर सकता है —
- (क) यदि, पर्यटन इकाई ऑपरेटर भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अध्याय 14 और 16 के अधीन, या इस अधिनियम के किसी उपबन्ध के अधीन या जमाखोरी, तस्करी या मुनाफाखोरी या खाद्य और औषधियों का अपमिश्रण, या भ्रष्टाचार के निवारण का उपबन्ध करने वाली किसी विधि के अधीन दण्डनीय किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध किया जाता है, और उस पर अधिरोपित दण्डादेश के पर्यवसान से, दो वर्ष व्यतीत नहीं हुए हों।
- (ख) यदि, पर्यटन इकाई ऑपरेटर को सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा दिवालिया घोषित किया जाता है और विमोचित नहीं किया गया हो;
- (ग) यदि, पर्यटन इकाई ऑपरेटर का नाम नियम 9 (ग), (घ), (ङ) व (छ) में उल्लिखित आधार पर रजिस्टर से हटाया गया हो और हटाए जाने की तिथि से तीन मास व्यतीत नहीं हुए हो;
- (घ) यदि पर्यटन इकाई का परिसर विहित मानकों के अनुरूप नहीं हो;

- (ङ) यदि यात्रा, अभिकर्ता या गाइड या साहसिक पर्यटन ऑपरेटर वांछित अर्हताओं में से कोई अर्हता नहीं रखता हो;
- (च) यदि, पर्यटन इकाई ऑपरेटर या यात्रा अभिकर्ता या गाइड या साहसिक पर्यटन ऑपरेटर (यथा स्थिति अनुसार) इस अधिनियम के अधीन अपेक्षित पंजीकरण का प्रमाण-पत्र नहीं रखता हो;
- (छ) यदि पर्यटन इकाई ऑपरेटर सबूत पेश करने में विफल हो जाता है कि पर्यटन इकाई की संरचना, प्रचलित नियमों के उपबन्धों के अधीन या प्रवृत्त किसी अन्य स्थानीय विधि के अधीन बनाई गई भवन बनाने सम्बन्धी उप-विधियों के अनुसार बनाई गई हो; और
- (ज) यदि विहित प्राधिकारी की राय में, पंजीकरण से इन्कार करने के लिए लिखित रूप में अभिलिखित किए जाने के लिए पर्याप्त आधार हो;
- (2) परन्तु पंजीकरण के किसी आवेदन को तब तक इन्कार नहीं किया जाएगा जब तक कि पंजीकरण के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया हो;
9. (1) विहित प्राधिकारी, निम्नलिखित उपबन्धों में से किसी भी आधार पर, लिखित आदेश द्वारा रजिस्टर से पर्यटन इकाई ऑपरेटर (यथा स्थिति अनुसार) के नाम को हटा सकता है और नियम 5 के अधीन जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र को रद्द कर सकता है, यदि :-
- (क) पर्यटन इकाई को स्वेच्छा से बन्द करने की दशा में अथवा एक वर्ष की अवधि से अधिक व्यवसाय न करने की दशा में;
- (ख) भारतीय दण्ड संहिता में निहित प्राविधानों के अधीन दण्डनीय किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध होने की दशा में;
- (ग) किसी सक्षम न्यायालय द्वारा दिवालिया घोषित किये जाने की दशा में;
- (घ) इस नियमावली के किसी उपबन्ध का अनुपालन न करने की दशा में;
- (ङ) ऐसे उपद्रवी पर्यटक/यात्री जो किसी पर्यटन इकाई में अथवा भवन के आस-पास अधिवास करने वाले व्यक्तियों के लिए बाधा बन रहे हों, को निकालने में असफल रहने की दशा में अथवा जानबूझ कर अपनी इकाई में ऐसे उपद्रवी को रखने की दशा में;
- (च) उसके विरुद्ध अनाचार की कोई शिकायत प्राप्त होती है और उसकी पुष्टि होने की दशा में;
- (छ) किसी स्थानीय निकाय के अनुमोदन के बिना संरचनात्मक परिवर्तन करने की दशा में;
- (ज) छल अथवा कपट से पंजीकरण का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की दशा में;
- (2) परन्तु रजिस्टर से नाम हटाये जाने से पूर्व, विहित प्राधिकारी, पर्यटन इकाई ऑपरेटर को स्पष्ट कारण दर्शाते हुए, उसको सुनवाई के लिये अन्तिम अवसर प्रदान करने हेतु नोटिस देगा
10. (1) इस नियमावली के किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन/क्रियान्वयन न होने की दशा में विहित प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत सक्षम अधिकारी उस पर्यटन इकाई के ऑपरेटर की सहमति से उसके परिसर में निरीक्षण हेतु प्रवेश कर सकेगा और समस्त अभिलेखों, रजिस्ट्रों और अन्य

रजिस्टर से
पर्यटन इकाई
ऑपरेटर का नाम
हटाना तथा
नोटिस देना

पर्यटन इकाई के
निरीक्षण का
अधिकार

कैश/बिल बुकों का निरीक्षण कर सकेगा।

- (2) पर्यटन इकाई ऑपरेटर द्वारा किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन/क्रियान्वयन न होने की दशा में सक्षम प्राधिकारी को पंजीकरण स्थगित अथवा निरस्त करने का अधिकार होगा।

अध्याय-तीन

पर्यटन इकाई ऑपरेटर के उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य

पर्यटन
ऑपरेटर
के
उत्तरदायित्व एवं
कर्तव्य

11.

- (1) पर्यटन इकाई ऑपरेटर एवं उसके कर्मचारियों को इन नियमों एवं उपबन्धों का प्रत्येक समय पर कड़ाई से पालन करना आवश्यक होगा।
- (2) प्रत्येक पर्यटन इकाई ऑपरेटर द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की नियत दरें और सेवा के प्रभार आदि को जिन्हें पर्यटकों/ग्राहकों से प्राप्त किया जाये कि सूचना विहित प्राधिकारी को सूचित करनी होगी तथा इसकी ब्रोशर, पुस्तिका आदि भी प्रकाशित करनी होगी। यदि वर्तमान दरों में कोई परिवर्तन किया जाये, तो उसकी सूचना एक सप्ताह के अन्दर विहित प्राधिकारी को उपलब्ध करानी होगी तथा स्वगत पटल/कार्यालय कक्ष में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करनी होगी।
- (3) प्रत्येक पर्यटन इकाई ऑपरेटर को अपने कार्यालय के स्वागत कक्ष में एक शिकायत/सुझाव पुस्तिका रखनी होगी।
- (4) प्रत्येक पर्यटन इकाई ऑपरेटर द्वारा देशी एवं विदेशी पर्यटकों की सांख्यिकी प्रत्येक माह की 7 तारीख तक विहित प्राधिकारी को उपलब्ध कराते हुये, उसे उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् की वेबसाइट पर लिंक प्रदान कर अपलोड करानी होगी।
- (5) प्रत्येक पर्यटन इकाई ऑपरेटर को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले आदेशों के अनुरूप उत्तराखण्ड के निवासियों को अपनी फर्म में रोजगार उपलब्ध कराना होगा।
- (6) प्रत्येक साहसिक पर्यटन इकाई ऑपरेटर को देशी-विदेशी, गाइड/वरिष्ठ गाइड/प्रशिक्षक/कुशल तकनीकी कर्मियों का विवरण स्थानीय पुलिस स्टेशन में प्रस्तुत करना होगा। पर्यटन इकाई ऑपरेटर नेपाली/विदेशी कर्मिकों की गतिविधियों के लिए उत्तरदायी होगा, जिसके लिये एक लिखित अन्डरटेकिंग स्थानीय पुलिस स्टेशन को उपलब्ध करानी होगी।
- (7) कोई पर्यटन इकाई ऑपरेटर निर्धारित दरों से अधिक रकम किसी करार के प्रतिकूल होते हुए भी वसूल नहीं करेगा।
- (8) पर्यटन इकाई ऑपरेटर, सेवा प्राप्त करने वाले (यथा स्थिति अनुसार) व्यक्ति/पर्यटक/ग्राहकों को ब्यौरेवार देयक (बिल) प्रस्तुत करेगा तथा प्राप्त की गयी धनराशि की मूल रसीद देगा, जिसकी द्वितीय प्रति अपने पास रसीद बुक में सुरक्षित रखेगा।

- (9) प्रत्येक पर्यटन इकाई ऑपरेटर किसी दुर्घटना/अप्रिय घटना घटने की दशा में तुरन्त त्वरित संचार के माध्यम से स्थानीय जिला प्रशासन, पुलिस स्टेशन एवं पंजीकरण प्राधिकारी को सूचित करेगा।
- (10) प्रत्येक पर्यटन इकाई ऑपरेटर को परिषद द्वारा आवंटित पंजीकरण प्रमाण पत्र स्वागत पटल/कार्यालय कक्ष पर स्पष्ट दृष्टिगोचर स्थान पर प्रदर्शित करना होगा।
- (11) कोई भी पर्यटन इकाई आपरेटर अथवा उसके यहां नियुक्त कोई भी व्यक्ति, सेवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति अथवा पर्यटक से उपधारा (2) के अधीन यथा नियत दरों के सिवाय, कोई "टिप" (बख्शीश), उपदान, उपहार कमीशन की मांग नहीं करेगा।
- बीमा आच्छादन** 12. प्रत्येक साहसिक पर्यटन इकाई आपरेटर का यह दायित्व होगा कि वह प्रत्येक पर्यटक/कर्मचारी/देशी-विदेशी गाईड/प्रशिक्षक/कुली/कुशल तकनीकी कर्मियों का अनिवार्य रूप से बीमा करायेगा, जिसका निर्धारण राज्य सरकार/उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अपने आदेश द्वारा समय-समय पर करेगी।

अध्याय-चार

अपील और पुनरीक्षण

- अपील** 13. (1) उपनियम 2 के उपबन्धों के अध्याधीन, इस नियमावली के अधीन विहित प्राधिकारी के प्रत्येक आदेश के विरुद्ध अपील, अपीलीय प्राधिकारी को होगी।
- (2) प्रत्येक ऐसी अपील, आदेश की सूचना की तारीख से नब्बे दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।
- परन्तु अपील प्राधिकारी, उक्त नब्बे दिन की अवधि के अवसान के पश्चात् भी अपील ग्रहण कर सकेगा, यदि उसका समाधान हो जाता है कि अपीलार्थी समय पर अपील करने से युक्ति-युक्त कारणों द्वारा निवारित हुआ था।
- (3) अपीलार्थी को, अधिवक्ता या सम्यक् रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा, प्रतिनिधित्व किए जाने का अधिकार होगा तथा विहित प्राधिकारी का ऐसे अधिकारी या व्यक्ति द्वारा प्रतिनिधित्व किया जा सकेगा, जिसे विहित प्राधिकारी नियुक्त करें।
- (4) किसी अपील की प्राप्ति पर, अपील प्राधिकारी, अपीलार्थी को सुनवाई का युक्ति-युक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात् और ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह उचित समझता हो और उसके कारणों को अभिलिखित करने के पश्चात्, ऐसा आदेश जैसा वह उचित समझे, पारित करेगा।
- पुनरीक्षण** 14. परिषद् द्वारा नियुक्त किए जाने वाला पुनरीक्षण प्राधिकारी, स्वप्रेरणा से या व्यथित पक्षकार द्वारा किए गए आवेदन पर, अपील प्राधिकारी द्वारा निपटाए गए मामले के अभिलेखों को, अपील प्राधिकारी द्वारा पारित किसी आदेश के सहीकरण वैद्यता या औचित्य के बारे में अपना समाधान करने के उद्देश्य से, मंगवा सकेगा तथा तदुपरि ऐसा आदेश पारित करेगा जो वह उचित समझे और ऐसा अन्तिम होगा।
- परन्तु पुनरीक्षण के लिए ऐसा आवेदन, अपील प्राधिकारी द्वारा आदेश

पारित करने की तारीख से तीन मास की अवधि के अवसान के पश्चात् ग्रहण नहीं किया जाएगा।

परन्तु यह और कि पुनरीक्षण प्राधिकारी स्वप्रेरणा से, किसी प्राधिकारी द्वारा विनिश्चित किए गए या उसके सम्मुख लम्बित किसी मामले का अभिलेख मंगवा सकेगा और ऐसा आदेश, जैसा वह उचित समझे पारित कर सकेगा।

परन्तु यह और कि इस धारा के अधीन व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला आदेश तब तक पारित नहीं किया जाएगा, जब तक उसे व्यक्तिगत रूप से या अधिवक्ता द्वारा या सम्यक् रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा सुनवाई का युक्ति-युक्त अवसर प्रदान नहीं किया जाता।

अध्याय-पांच

अपराध और शास्तियां

पंजीकरण में 15.
व्यतिक्रम के लिए
शास्ति

इस नियमावली के अधीन उचित पंजीकरण के बिना या इस नियमावली के किन्हीं उपबन्धों के उल्लंघन में, पर्यटन एवं पर्यटन व्यवसाय से सम्बन्धित कोई अन्य कारोबार करने वाला कोई व्यक्ति, दस हजार रुपए के जुर्माने से दण्डनीय होगा। परन्तु यदि उल्लंघन जारी रहता हो तो, एक हजार रुपए प्रतिदिन, जब तक व्यतिक्रम जारी रहता है, के जुर्माने से सक्षम प्राधिकारी द्वारा दण्डनीय होगा।

मिथ्या कथन के 16.
लिए शास्ति।

इस नियमावली के अधीन कथन देने के लिए अपेक्षित कोई व्यक्ति, यदि जानबूझकर मिथ्या कथन करता है या विहित प्राधिकारी को भुलावा देने के लिए किसी सारभूत तथ्य को छुपाता है, तो वह दस हजार रुपए के जुर्माने से सक्षम प्राधिकारी द्वारा दण्डनीय होगा।

प्रमाण-पत्र का 17.
बिना अनुज्ञा के
समनुदेशित न
किया जाना।

कोई व्यक्ति जो, सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना इस नियमावली के अधीन जारी किए गए पंजीकरण के प्रमाण-पत्र को उधार देता है, हस्तान्तरित या समनुदेशित करता है, तो वह दस हजार रुपए के जुर्माने से सक्षम प्राधिकारी द्वारा दण्डनीय होगा।

व्यक्तियों के 18. (1)
मांगने पर
प्रमाण-पत्र
दिखाया जाना

इस नियमावली के अधीन पंजीकृत कोई व्यक्ति, किसी भी समय, निम्नलिखित में से किसी व्यक्ति द्वारा मांगे जाने पर, अपना पंजीकरण प्रमाण-पत्र दिखाएगा :-

(क) विहित प्राधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी ; और

(ख) सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी प्राधिकारी या मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ0प0वि0प0, द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी ; और

(ग) वास्तविक ग्राहक/पर्यटक/अतिथि

(2) कोई व्यक्ति, जो प्राधिकृत व्यक्तियों में से किसी के द्वारा मांगने पर अपना प्रमाण-पत्र दिखाने या इसे पढ़ने की अनुज्ञा देने से इन्कार करता है, तो वह पांच हजार रुपए के जुर्माने से, दण्डनीय होगा।

अनाचार के लिए 19.
शास्ति

कोई व्यक्ति जो अनाचार करता है या इस नियमावली के किसी अन्य उपबन्ध जिसके लिए कोई भी विनिर्दिष्ट शास्ति उपबन्धित नहीं की गई है, का उल्लंघन करता है, तो वह दस हजार रुपए के जुर्माने से दण्डनीय होगा। व्यतिक्रम जारी रहने की दशा में पंजीकरण प्रमाण

- पत्र निरस्त अथवा स्थगित किया जा सकेगा।
- विधियुक्त प्राधिकारियों को बाधा पहुंचाना 20. यदि कोई व्यक्ति, विहित प्राधिकारी या उसके द्वारा इस नियमावली के नियमों के अनुसरण में उसे प्रदत्त अथवा उसको अधिरोपित किन्हीं शक्तियों का प्रयोग करने या कर्तव्यों का पालन करने हेतु प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी के कर्तव्यों के उन्मोचन में जानबूझ कर कोई बाधा डालता है या कोई प्रतिरोध करता है अथवा अन्यथा विघ्न डालता है, तो वह एक हजार रूपए के जुर्माने से दण्डनीय होगा।
- शास्तियों वसूली की 21. इस नियमावली की धारा 15 से 20 के अधीन की गयी शास्तियों का भुगतान न किये जाने की दशा में इसकी वसूली भू-राजस्व अधिनियम में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत वसूली की जा सकेगी।
- कार्यवाहियां संस्थित करना 22. इस नियमावली के अधीन किसी अपराध के लिए, विहित प्राधिकारी या उस द्वारा या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा की गई शिकायत के सिवाय, किसी व्यक्ति के विरुद्ध कोई अभियोजन संस्थित नहीं किया जाएगा।

अध्याय—छः

प्रकीर्ण

- परिवर्तनों अधिसूचना की 23. (1) यदि किसी पर्यटन इकाई जिसके लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया है, के उत्तराधिकार में किसी प्रकार का परिवर्तन होता है, तो ऐसी स्थिति में परिवर्तन की तारीख से तीस दिन के भीतर, ऐसे तथ्य को लिखित रूप में विहित प्राधिकारी को अधिसूचित करना होगा।
- (2) विहित प्राधिकारी, इस प्रयोजन के लिए बनाए रखे गए रजिस्टर और पंजीकरण प्रमाण-पत्र में इस आशय का आवश्यक परिवर्तन करेगा।
- (3) उप-नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी, विहित प्राधिकारी किसी ऐसे व्यक्ति, जिसके पक्ष में मूलतः प्रमाण-पत्र जारी किया गया था, का नाम रजिस्टर से हटा सकेगा यदि उसका उत्तरवर्ती इस नियमावली के अधीन पंजीकृत किए जाने का पात्र नहीं है।
- पंजीकरण प्रमाण-पत्र वापस करना 24. इस नियमावली के अधीन जब पंजीकरण प्रमाण-पत्र रद्द किया जाता है तो प्रमाण-पत्र का धारक व्यक्ति, रद्दकरण पत्र की विहित रीति में, तामील की तारीख से सात दिन के भीतर, विहित प्राधिकारी को इसे वापस करेगा।
- डुप्लीकेट प्रमाण-पत्र 25. इस नियमावली के अधीन जारी किया गया पंजीकरण प्रमाण-पत्र यदि गुम, क्षतिग्रस्त या नष्ट हो जाता है, तो विहित प्राधिकारी, ऐसे प्रमाण-पत्र के धारक व्यक्ति द्वारा इस निमित्त किए गए आवेदन पर आवेदन शुल्क जमा करते हुये, डुप्लीकेट प्रमाण-पत्र जारी करेगा।
- परित्राण 26. इस नियमावली के अधीन सद्भावपूर्वक की गई या की जाने के लिए आशयित किसी बात के लिए कोई भी वाद, अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाही सरकार एवं सरकार व परिषद के किसी व्यक्ति के विरुद्ध न होगी।
- अन्य व्यक्तियों को नियमावली को लागू करने की परिषद् की 27. पर्यटन परिषद् अधिसूचना द्वारा, यह निर्देश दे सकेगी कि इस नियमावली या तदधीन बनाए गए नियमों के सभी या कोई उपबन्ध, ऐसे अपवादों, अनुकूलीकरणों या उपांतरणों सहित, जैसे आवश्यक समझे जाएं, उत्तराखण्ड राज्य में बाह्य फोटो खींचने, गृह नौका,

शक्ति।

डोंगी, शिकारे, डांडियों, पिटदुओं, टटदुओं को किराए पर देने या उन्हें चलाने के कारोबार में लगे व्यक्तियों अथवा ऐसे अन्य व्यक्तियों जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किये जाये पर लागू होंगे और विहित प्राधिकारी, की जाने वाली सेवाओं के लिए प्रभारित की जाने वाली दरें नियत कर सकेगा

नियम बनाने की शक्ति 28.

- (1) पर्यटन परिषद् इस नियमावली के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए पूर्व में जारी अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के द्वारा कोई नियम बनाने के लिये सक्षम है।
- (2) विशिष्टतया और पूर्वगामी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे नियमों में निम्नलिखित के लिए उपबन्ध किया जा सकेगा
 - (क) पर्यटन इकाई आपरेटरों द्वारा कारोबार के संचालन के लिए, रजिस्ट्रों, पुस्तकों और प्ररूपों का बनाए रखा जाना
 - (ख) पंजीकरण के लिए आवेदन और पंजीकरण के प्रमाण-पत्र का प्रारूप
 - (ग) रजिस्ट्रीकरण, नवीकरण और डुप्लीकेट प्रमाण-पत्र के जारी करने के लिए फीस
 - (घ) इस नियमावली के अधीन नोटिस देने की रीति
 - (ङ) पर्यटन इकाई आपरेटर द्वारा संचालित भिन्न-भिन्न गतिविधियों के रूप में पंजीकरण के लिए अर्हता
 - (च) साहसिक खेल-कूद के संचालन में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपाय और मानक तथा प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ
 - (छ) विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाईयों में स्वास्थ्यकर और सफाई अपशिष्ट निपटान और न्यूनतम सुविधाओं को बनाए रखने के लिए मानक
 - (ज) रजिस्टर से हटाए गए, पर्यटन इकाई आपरेटर के नाम और पते प्रकाशित करने की रीति
 - (झ) वह रीति जिसमें नियत उचित दरें प्रदर्शित की जाएगी, विहित प्राधिकारी को टिकटों के प्रकार, और जारी की जाने वाली रसीदें, उसके लेखे और विवरणी प्रस्तुत करना और बनाए रखना, अनुज्ञप्ति फीस, नवीकरण फीस और अन्य देयों का संग्रहण और निक्षेप
 - (ञ) यह स्थान जहाँ विहित प्राधिकारी इस नियमावली के अधीन जांच करेगा, और इस नियमावली के अधीन अभिव्यक्त रूप में विहित किए जाने वाले सभी विषय।
 - (ट) पंजीकृत इकाईयों की सूचना हर माह के अन्त में समस्त जिलाधिकारियों को प्रेषित की जायेगी।

"अनुलग्नक-1"आवासीय इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र

(होटल, मोटल/मार्गीय सुविधा, रिजॉर्ट/हैल्थ-स्पा रिजॉर्ट, टाइमशेयर अपार्टमेंट, मोटर कारवां, अतिथि/यात्री विश्राम गृह, टैन्टकालोनी, रिवर/लेक क्रूज/हाउस बोट्स, पेइंग गेस्ट हाउस/बेड एण्ड ब्रेकफास्ट/होमस्टे, धर्मशाला, आश्रम, आदि)

सेवा में,

विहित प्राधिकारी,
उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद
.....।

महोदय,

आपसे निवेदन करना है कि पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 के प्राविधानों के अनुसार मेरे/हमारे द्वारा निर्मित नवीन/पुरानी आवासीय इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें वांछित सूचनाएँ निम्नवत् प्रस्तुत हैं:-

1. आवासीय पर्यटन इकाई का नाम :
पता
दूरभाष / मोबाइल / फैंक्स / ई-मेल
2. स्वामी / पार्टनर का नाम : (1)
(2)
स्थायी पता
अस्थायी पता
दूरभाष / मोबाइल / फैंक्स / ई-मेल :
3. प्रबन्धक / कैयर टैकर का नाम व पता
4. आवासीय इकाई की भूमि का विवरण:-
क- रजिस्टर्ड डीड की प्रतिलिपि
ख- स्वीकृत/अनुमोदित भवन मानचित्र एवं साइट प्लान की प्रति
ग- दाखिल खारिज की प्रति
घ- सम्पत्ति की वैधानिक स्थिति
(निजी स्वामित्व/लीज/किराये/ पार्टनरशिप / आदि)
5. निर्माण का वर्ष
6. आवासीय इकाई के प्रारम्भ होने की तिथि
(पुरानी इकाई होने पर)
7. आवासीय इकाई में कक्षों/दरों का विवरण
क- सुइट रूम :
ख- एक्जिक्यूटिव रूम:
ग- डीलक्स/सुपर डीलक्स रूम:
घ- डोरमेटरी :
ड- एयर कूल्ड/साधारण/अन्य :
8. कुल आवासीय कक्षों एवं शैय्याओं का

- विवरण
9. आवासीय इकाई में उपलब्ध सुविधाओं का
विवरण :
क- कार पार्किंग
ख- रेस्टोरेन्ट
ग- बार
घ- स्विमिंग पूल
ड- कान्फ्रेंस हॉल
च- तकनीकी उपकरणों का विवरण
छ- अन्य सुविधायें
10. स्टाफ (कुशल/अकुशल) का विवरण
उनके नाम/पदनाम/पता/अनुभव/
शिक्षा/वेतन/सेवा की अवधि आदि
11. रोजगार सृजन में स्थानीय समुदाय की
सहभागिता का विवरण
12. सुरक्षा एवं बचाव सम्बन्धी उपकरणों का
विवरण
13. चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा सत्यापित ऑडिटेड
बैलेस शीट एवं लाभ-हानि का स्टेटमेंट
(कम्पनी लॉ के अन्तर्गत प्राविधानित)
(नवीनीकरण की स्थिति में)
14. आयकर विभाग से प्राप्त आयकर भुगतान
प्रमाण-पत्र की प्रति (नवीनीकरण की स्थिति
में)
15. पिछले पंजीकरण का विवरण (यदि पंजीकरण का
नवीनीकरण कराया जाना हो)

16.

घोषणा

मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्तानुसार दी गई समस्त सूचना वास्तव में मेरे/हमारी जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही है। मैं/हम इस बात के लिये पूर्ण रूप से सचेत हूँ/हैं कि किसी भी दशा में उक्त वर्णित सूचना गलत तथ्यों के आधार पर पाई जाती है तो मेरा/हमारा पंजीकरण किसी भी समय निरस्त/रोका जा सकता है।

अतः आपसे अनुरोध करना है कि कृपया मेरे/हमारे उक्त आवासीय पर्यटन इकाई को उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 की धारा-5 के अन्तर्गत पंजीकृत करने का कष्ट करें।

संलग्नक:-

दिनांक:-

आवेदक/पार्टनर के हस्ताक्षर :

नाम

पता

मोबाईल/दूरभाष नम्बर

"अनुलग्नक-2"**ट्रैवल ट्रेड सम्बन्धी इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र**

(ट्रैवल एजेंट, डोमेस्टिक टुअर ऑपरेटर, एक्सकर्सन एजेंट आदि)

सेवा में,

विहित प्राधिकारी,
उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद
.....।

महोदय,

आपसे निवेदन करना है कि पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 के प्राविधानों के अनुसार मेरे/हमारे द्वारा संचालित नवीन/पुरानी ट्रैवल ट्रेड सम्बन्धी इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें वांछित सूचनाएँ निम्नवत् प्रस्तुत हैं:-

1. ट्रैवल ट्रेड सम्बन्धी इकाई का नाम :
पता
दूरभाष / मोबाइल / फ़ैक्स / ई-मेल :
2. स्वामी/पार्टनर का नाम : (1)
(2)
स्थायी पता
अस्थायी पता
दूरभाष / मोबाइल / फ़ैक्स / ई-मेल :
3. पंजीकरण संख्या
(शॉप एक्ट के अधीन अथवा फर्म एवं सोसायटी/कम्पनी/सर्विस टैक्स आदि की छायाप्रति संलग्न करें)
4. प्रबन्धक/कैयर टैकर का नाम व पता
5. ट्रैवल ट्रेड इकाई के कार्यालय भवन की वैधानिक स्थिति (निजी स्वामित्व का भवन/लीज/किराये) का विवरण:-
6. कार्यालय परिसर का विवरण
क- कार्यालय का क्षेत्र (वर्ग मी0 में) :
ख- लोकेशन एरिया (कृपया सही कॉलम पर निशान लगायें) व्यावसायिक () आवासीय ()
ग- स्वागत कक्ष का क्षेत्र (वर्ग मी0 में)
घ- शौचालय की व्यवस्था (कृपया सही कॉलम पर निशान लगायें) हाँ/नहीं
6. ट्रैवल ट्रेड इकाई के प्रारम्भ होने की तिथि
(पुरानी इकाई होने पर)
7. ट्रैवल ट्रेड के क्षेत्र में कार्य का अनुभव

8. स्टाफ (कुशल/अकुशल) का विवरण
(उनके नाम/पदनाम/पता/अनुभव/
शिक्षा/वेतन/सेवा की अवधि आदि)
9. रोजगार सृजन में सीनीय समुदाय की
सहभागिता का विवरण
11. सम्पादित की जाने वाली गतिविधियों का
विवरण :
क- ट्रेवल प्रबन्धन
ख- साइट सीन
ग- होटल बुकिंग
घ- साहसिक गतिविधि
ड- कोई अन्य गतिविधि
12. सुरक्षा एवं बचाव सम्बन्धी उपकरणों का
विवरण
13. बीमा का विवरण (साहसिक गतिविधि हेतु)
14. गतिविधि वार लिये जाने वाले शुल्क का
विवरण (कृपया टैरिफ कार्ड संलग्न करें)
15. बैंक का नाम (कृपया बैंक से सम्बन्धित पत्र
संलग्न करें)
16. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा सत्यापित ऑडिटेड
बैलेस शीट एवं लाभ-हानि का स्टेटमेंट
(कम्पनी लॉ के अन्तर्गत प्राविधानित)
(नवीनीकरण की स्थिति में)
17. आयकर विभाग से प्राप्त आयकर भुगतान
प्रमाण-पत्र की प्रति (नवीनीकरण की स्थिति में)
18. पिछले पंजीकरण का विवरण (यदि पंजीकरण
का नवीनीकरण कराया जाना हो)

19-

घोषणा

मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्तानुसार दी गई समस्त सूचना वास्तव में मेरे/हमारी जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही है। मैं/हम इस बात के लिये पूर्ण रूप से सचेत हूँ/हैं कि किसी भी दशा में उक्त वर्णित सूचना गलत तथ्यों के आधार पर पाई जाती है तो मेरा/हमारा पंजीकरण किसी भी समय निरस्त/रोका जा सकता है।

अतः आपसे अनुरोध करना है कि कृपया मेरे/हमारे उक्त आवासीय पर्यटन इकाई को उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 की धारा-5 के अन्तर्गत पंजीकृत करने का कष्ट करें।

संलग्नक:-

दिनांक:-

आवेदक/पार्टनर के हस्ताक्षर :

नाम

पता

मोबाईल/दूरभाष नम्बर

"अनुलग्नक-3"खान-पान संबंधी इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र

(रेस्टोरेन्ट/बियर बार, फास्ट फूड सेंटर, फूड प्लाजा, फूड कोर्ट आदि)

सेवा में,

विहित प्राधिकारी,

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद

.....।

महोदय,

आपसे निवेदन करना है कि पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 के प्राविधानों के अनुसार मेरे/हमारे द्वारा निर्मित नवीन/पुराने रेस्टोरेन्ट/बियर बार, फास्ट फूड सेंटर, फूड प्लाजा, फूड कोर्ट के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें वांछित सूचनाएँ निम्नवत् प्रस्तुत हैं:-

1. इकाई का नाम :
2. स्थाई पता
-
- दूरभाष / मोबाइल / फ़ैक्स / ई-मेल
3. स्वामी/पार्टनर का नाम : (1)
- (2)
- स्थायी पता
- अस्थायी पता
4. दूरभाष / मोबाइल / फ़ैक्स / ई-मेल :
-
-
5. प्रबन्धक/कैयर टैकर का नाम व पता
6. खान-पान इकाई की भूमि का विवरण:-
- रजिस्टर्ड डीड की प्रतिलिपि
- क- स्वीकृत/अनुमोदित भवन मानचित्र एवं
- ख- साइट प्लान की प्रति
- दाखिल खारिज की प्रति
- ग- सम्पत्ति की वैधानिक स्थिति (निजी
- घ- स्वामित्व/लीज/किराये/पार्टनरशिप,
- आदि)
6. निर्माण का वर्ष
7. इकाई के प्रारम्भ होने की तिथि (पुरानी
- इकाई होने पर)
9. इकाई में बैठने की कुल क्षमता

10. फूड/बार लाइसेन्स का विवरण
11. इकाई में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण
 क- बार/बियर बार
 ख- जन सुविधायें
 ग- बैंक्विट हॉल
 घ- कार पार्किंग
 ड.- अन्य सुविधायें
12. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा सत्यापित ऑडिटेड बैलेस शीट एवं लाभ-हानि का स्टेटमेंट (कम्पनी लॉ के अन्तर्गत प्राविधानित) (नवीनीकरण की स्थिति में)
13. आयकर विभाग से प्राप्त आयकर भुगतान प्रमाण-पत्र की प्रति (नवीनीकरण की स्थिति में)
14. पिछले पंजीकरण का विवरण (यदि पंजीकरण का नवीनीकरण कराया जाना हो)

15-

घोषणा

मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्तानुसार दी गई समस्त सूचना वास्तव में मेरे/हमारी जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही है। मैं/हम इस बात के लिये पूर्ण रूप से सचेत हूँ/हैं कि किसी भी दशा में उक्त वर्णित सूचना गलत तथ्यों के आधार पर पाई जाती है तो मेरा/हमारा पंजीकरण किसी भी समय निरस्त/रोका जा सकता है।

अतः आपसे अनुरोध करना है कि कृपया मेरे/हमारे उक्त आवासीय पर्यटन इकाई को उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 की धारा-5 के अन्तर्गत पंजीकृत करने का कष्ट करें।

संलग्नक:-
 दिनांक:-

आवेदक/पार्टनर के हस्ताक्षर :.....
 नाम
 पता
 मोबाईल/दूरभाष नम्बर

"अनुलग्नक-4"**मनोरंजन संबंधी इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र**

(आमोद-प्रमोद/थीम/एम्पूजमेन्ट पार्क, गोल्फ कोर्स, रज्जु मार्ग, ध्वनि एवं प्रकाश प्रदर्शन,
एंगलिंग (मत्स्य आखेट) आदि)

सेवा में,

विहित प्राधिकारी,

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद.

..... ।

महोदय,

आपसे निवेदन करना है कि पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 के प्राविधानों के अनुसार मेरे/हमारे द्वारा आमोद-प्रमोद/थीम/एम्पूजमेन्ट पार्क, गोल्फ कोर्स, रज्जु मार्ग, ध्वनि एवं प्रकाश प्रदर्शन, एंगलिंग (मत्स्य आखेट) के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें वांछित सूचनाएँ निम्नवत् प्रस्तुत हैं:-

1. इकाई का नाम :
2. स्थाई पता
- दूरभाष/मोबाइल/फैक्स/ई-मेल
3. स्वामी/पार्टनर का नाम : (1)
(2)
- स्थायी पता
- अस्थायी पता
4. दूरभाष/मोबाइल/फैक्स/ई-मेल :
5. प्रबन्धक/कैयर टैकर का नाम व पता
6. मनोरंजन इकाई की भूमि का विवरण:-
- क- रजिस्टर्ड डीड की प्रतिलिपि
- ख- स्वीकृत/अनुमोदित भवन मानचित्र एवं साइट प्लान की प्रति
- ग- दाखिल खारिज की प्रति
- घ- सम्पत्ति की वैधानिक स्थिति (निजी स्वामित्व/लीज/किराये/पार्टनरशिप, आदि)
7. निर्माण का वर्ष
8. इकाई के प्रारम्भ होने की तिथि (पुरानी इकाई होने पर)
9. इकाई में लिए जाने वाले दरों का विवरण

10. लाइसेन्स का विवरण
11. इकाई में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण
 क- जन सुविधायें
 ख- बैंकिंग हॉल
 ग- कार पार्किंग
 घ- अन्य सुविधायें
12. चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा सत्यापित ऑडिटेड बैलेस शीट एवं लाभ-हानि का स्टेटमेंट (कम्पनी लॉ के अन्तर्गत प्राविधानित) (नवीनीकरण की स्थिति में)
13. आयकर विभाग से प्राप्त आयकर भुगतान प्रमाण-पत्र की प्रति (नवीनीकरण की स्थिति में)
14. पिछले पंजीकरण का विवरण (यदि पंजीकरण का नवीनीकरण कराया जाना हो)

15-

घोषणा

मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्तानुसार दी गई समस्त सूचना वास्तव में मेरे/हमारी जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही है। मैं/हम इस बात के लिये पूर्ण रूप से सचेत हूँ/हैं कि किसी भी दशा में उक्त वर्णित सूचना गलत तथ्यों के आधार पर पाई जाती है तो मेरा/हमारा पंजीकरण किसी भी समय निरस्त/रोका जा सकता है।

अतः आपसे अनुरोध करना है कि कृपया मेरे/हमारे उक्त मनोरंजन सम्बन्धी इकाई को उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 की धारा-5 के अन्तर्गत पंजीकृत करने का कष्ट करें।

संलग्नक:-
 दिनांक:-

आवेदक/पार्टनर के हस्ताक्षर :.....
 नाम
 पता
 मोबाईल/दूरभाष नम्बर

"अनुलग्नक-5"**साहसिक पर्यटन संबंधी इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र**

(एडवेंचर टुअर ऑपरेटर, क्याकिंग/कैनोइंग/सेलिंग/याटिंग (पाल नौकायन)/बोटिंग, वाटर स्कीइंग, स्नो स्कीइंग, पथारोहण (ट्रेकिंग), पर्वतारोहण, रॉक/कृत्रिम वॉल क्लाइम्बिंग, माउन्टेन बाइकिंग, वाइल्ड लाइफ सफारी/बर्ड वॉचिंग, मोटर कार/मोटर साइकिल रैली, पैरा सेलिंग/पैरा ग्लाइडिंग, बंजी जम्पिंग, हॉट एयर बैलूनिंग, फ्लाईंग फॉक्स, आइस स्केटिंग, एडवेंचर क्लब, रिवर राफ्टिंग, आदि)

सेवा में,

विहित प्राधिकारी,

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद

..... |

महोदय,

आपसे निवेदन करना है कि पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 के प्राविधानों के अनुसार मेरे/हमारे द्वारा साहसिक पर्यटन संबंधी इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें वांछित सूचनाएँ निम्नवत् प्रस्तुत हैं:-

1. साहसिक पर्यटन सम्बन्धी इकाई का नाम
पता
दूरभाष / मोबाइल / फ़ैक्स / ई-मेल
2. स्वामी/पार्टनर का नाम : (1)
(2)

स्थाई पता
अस्थाई पता

दूरभाष / मोबाइल / फ़ैक्स / ई-मेल :
3. पंजीकरण संख्या (शॉप
एक्ट के अधीन अथवा फर्म एवं
सोसायटी/कम्पनी/सर्विस टैक्स आदि की
छायाप्रति संलग्न करें)
4. प्रबन्धक/कैयर टैकर का नाम व पता
5. साहसिक पर्यटन इकाई के कार्यालय भवन की
वैधानिक स्थिति (निजी स्वामित्व का
भवन/लीज/किराये) का विवरण:-
6. कार्यालय परिसर का विवरण
क- कार्यालय का क्षेत्र (वर्ग मी0 में) :
ख- लोकेशन एरिया (कृपया सही कॉलम पर निशान व्यावसायिक () आवासीय ()
लगायें)
- ग- स्वागत कक्ष का क्षेत्र (वर्ग मी0 में)
- घ- शौचालय की व्यवस्था (कृपया सही कॉलम पर हाँ/नहीं
निशान लगायें)

6. साहसिक पर्यटन इकाई के प्रारम्भ होने की तिथि (पुरानी इकाई होने पर)
7. साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में कार्य का अनुभव का विवरण
8. स्टाफ (कुशल/अकुशल) का विवरण (उनके नाम/पदनाम/पता/अनुभव/ शिक्षा/ वेतन/सेवा की अवधि आदि)
9. रोजगार सृजन में स्थानीय समुदाय की सहभागिता का विवरण
11. सम्पादित की जाने वाली गतिविधियों का विवरण :
12. साहसिक उपकरणों का विवरण
13. सुरक्षा एवं बचाव सम्बन्धी उपकरणों का विवरण
14. बीमा का विवरण
15. गतिविधि वार लिये जाने वाले शुल्क का विवरण (कृपया टैरिफ कार्ड संलग्न करें)
16. बैंक का नाम (कृपया बैंक से सम्बन्धित पत्र संलग्न करें)
17. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा सत्यापित ऑडिटेड बैलेस शीट एवं लाभ-हानि का स्टेटमेंट (कम्पनी लॉ के अन्तर्गत प्राविधानित) (नवीनीकरण की स्थिति में)
18. आयकर विभाग से प्राप्त आयकर भुगतान प्रमाण-पत्र की प्रति (नवीनीकरण की स्थिति में)
19. पिछले पंजीकरण का विवरण (यदि पंजीकरण का नवीनीकरण कराया जाना हो)

20—

घोषणा

मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्तानुसार दी गई समस्त सूचना वास्तव में मेरे/हमारी जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही है। मैं/हम इस बात के लिये पूर्ण रूप से सचेत हूँ/हैं कि किसी भी दशा में उक्त वर्णित सूचना गलत तथ्यों के आधार पर पाई जाती है तो मेरा/हमारा पंजीकरण किसी भी समय निरस्त/रोका जा सकता है।

अतः आपसे अनुरोध करना है कि कृपया मेरे/हमारे साहसिक पर्यटन सम्बन्धी इकाई को उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 की धारा-5 के अन्तर्गत पंजीकृत करने का कष्ट करें।

संलग्नक:-
दिनांक:-

आवेदक/पार्टनर के हस्ताक्षर :.....
नाम
पता
मोबाईल/दूरभाष नम्बर

"अनुलग्नक-6"**अन्य पर्यटन इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र**

(हस्तशिल्प/सोविनियर शॉप, योग ध्यान केन्द्र/साधना कुटीर, पर्यटक सूचना केन्द्र,
नेचर/एडवेंचर/वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी आदि)

सेवा में,

विहित प्राधिकारी,

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद

.....।

महोदय,

आपसे निवेदन करना है कि पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 के प्राविधानों के अनुसार मेरे/हमारे द्वारा पर्यटन संबंधी इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें वांछित सूचनाएँ निम्नवत् प्रस्तुत हैं:-

1. इकाई का नाम :
2. स्थाई पता
- दूरभाष/मोबाइल/फैक्स/ई-मेल
3. स्वामी/पार्टनर का नाम : (1)
(2)
स्थायी पता
अस्थायी पता
4. दूरभाष/मोबाइल/फैक्स/ई-मेल :
5. प्रबन्धक/कैयर टैकर का नाम व पता
6. इकाई के कार्य की प्रकृति का विवरण:-
7. अनुभव
8. इकाई की स्थापना का वर्ष
9. इकाई के प्रारम्भ होने की तिथि (पुरानी इकाई होने पर)
10. इकाई में लिए जाने वाले दरों का विवरण :-
11. इकाई में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण
12. चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा सत्यापित ऑडिटेड बैलेस शीट एवं लाभ-हानि का स्टेटमेंट (कम्पनी लॉ के अन्तर्गत प्राविधानित) (नवीनीकरण की स्थिति में)

- 13 आयकर विभाग से प्राप्त आयकर भुगतान प्रमाण-पत्र की प्रति (नवीनीकरण की स्थिति में)
- 14 पिछले पंजीकरण का विवरण (यदि पंजीकरण का नवीनीकरण कराया जाना हो)

15—

घोषणा

मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्तानुसार दी गई समस्त सूचना वास्तव में मेरे/हमारी जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही है। मैं/हम इस बात के लिये पूर्ण रूप से सचेत हूँ/हैं कि किसी भी दशा में उक्त वर्णित सूचना गलत तथ्यों के आधार पर पाई जाती है तो मेरा/हमारा पंजीकरण किसी भी समय निरस्त/रोका जा सकता है।

अतः आपसे अनुरोध करना है कि कृपया मेरे/हमारे उक्त सम्बन्धी इकाई को उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2013 की धारा-5 के अन्तर्गत पंजीकृत करने का कष्ट करें।

संलग्नक:-
दिनांक:-

आवेदक/पार्टनर के हस्ताक्षर :.....
नाम
पता
मोबाईल/दूरभाष नम्बर

आज्ञा से,

डा० उमाकान्त पंवार,
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the "Constitution of India", the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the notification No. 161/VI/2013-01(07)/2013 (418) dated January 24, 2014 for general information.

NOTIFICATION

January 24, 2014

No. 161/VI/2013-01(07)/2013 (418)—In exercise of the powers conferred by Clause (a) and (b) of sub-section (2) of section 8 of the Uttarakhand Tourism Development Board Act, 2001 (Uttarakhand Act No. 12, Year 2001), the Governor is pleased to make the following rules, to regulate registration of tourism and travel related trades and agencies; licensing; accreditation; and for determination of charges and other conditions for similar works in Uttarakhand:--

The Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules, 2014

Chapter-1

Preliminary

- | | | |
|---|----|---|
| <i>Short Title, Extent and Commencement</i> | 1. | (1) These rules may be called the " Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules-2014 "
(2) It shall extend to the whole of Uttarakhand
(3) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification in the Official Gazette, appoint. |
| <i>Definitions</i> | 2. | (1) In these rules, unless the context otherwise requires—
(a) " Act " means Uttarakhand Tourism Development Board Act, 2001, as amended from time-to-time
(b) " State " means the State of Uttarakhand
(c) " Government " means the State Government of Uttarakhand
(d) " Board " means the Uttarakhand Tourism Development Board
(e) " Gazette " means the Gazette of the State of Uttarakhand
(f) " Prescribed " means the prescribed (inherent) rules made under these set of rules
(g) " Prescribed Authority " means the Authority Notified/Deployed for the purpose by the Board
(h) " Local Authority " means the Development Authority, Nagar Nigam or Nagar Palika or Cantonment Board or Nagar Panchayat or Gram Panchayat or Special Area Development Authority
(i) " Tourist " means the any person/group of persons visiting Uttarakhand, including Travelers/Tourists/Adventure Tourists
(j) " Competent/Review Officer " means the Chief Executive Officer, Uttarakhand Tourism Development Board
(k) " Appellate Authority " means the Additional Chief Executive Officer, Uttarakhand Tourism Development Board
(l) " Registration Certificate " means the Certificate Issued under these Rules
(m) " Misconduct " means fraud, misrepresentation, obstructing tourist facilities, taking more than the prescribed rent or charging extra, not displaying the rent charges, not giving cash memo/receipt, not providing committed facilities/services, providing lower grade equipments or not making available experts/ technical personnel
(n) " Tourism and Travel Trade Units " means the following units
<div style="margin-left: 20px;"> I. Accommodation Related Units, like—
 Hotel, Motel/ Road Side Facilities, Resort/ Health-Spa Resort, Timeshare Apartment, Motor Caravan, Guest/Tourist Rest House, Tent Colony, River/Lake Cruise and/or House Boats, Paying Guest House/Bed & Breakfast/Home Stay, Dharamshalas, Ashrams, etc.
 II. Travel Trade Related Units, like—
 Travel Agent, Domestic Tour Operator, Excursion Agents, etc.
 III. Food/Beverage Related Units like—
 Restaurant/Beer Bar, Fast Food Centre/Food Plaza/Food Court, etc.
 IV. Entertainment Related Units, like—
 Entertainment/Theme/Amusement Park, Golf Course, Rope Way, Sound & Light Show, Angling (Fishing), etc. </div> |

V. Adventure Tourism Related Units, like—

Adventure Tour Operators, Kayaking/Canoeing/Sailing/ Yachting /Boating, Water Skiing, Snow Skiing, Trekking, Mountaineering, Rock/Artificial Wall Climbing, Mountain Biking, Wild Life Safari/Bird Watching, Motor Car/Motorcycle Rally, Para Sailing/Gliding, Bungee Jumping, Hot Air Ballooning, Flying Fox, Ice Skating, Adventure Clubs, River Rafting, etc.

VI. Other Units, like—

Handicraft/Souvenir Shop, Yoga Dhyan Centre/ Meditation Cottage, Tourist Information Centre, Nature/Adventure/Wild Life photography, etc.

Relaxation

- (o) "Operator" means the owner/manager of the tourism and travel trade related unit
- (2) Words and expressions used herein and not defined in these rules, shall have the meanings, respectively, as assigned to them in the Uttarakhand Tourism Development Board Act, 2001
3. As per the decision of State Government/Tourism Development Board; public complex for use by general public, non-commercial complex of public trust for religious/public events, non-commercial rest house/dak bungalow, circuit house, inspection house under the management of local bodies (or) administrative department (or) public complex (or) government or local body/board or other administrative departments, will not be governed under these rules

Chapter-2**Registration****Process for Applying for Registration**

4. (1) For registration of new tourism units for different purposes, the applicant shall have to submit separate applications to the Prescribed Authority in duplicate. The application shall be accompanied by a cash deposit or bank draft of Rs. 1000/- in favour of the Prescribed Authority being application fee. Incomplete applications will not be accepted.
- (2) In case of Partnership Firm/Company/Agency, it will be mandatory to submit the Power of Attorney along with the application
- (3) Application Form can also be downloaded from the website of Uttarakhand Tourism Development Board
- (4) No Person/Tradesman will operate any new tourism unit unless it has been registered under the provisions of these rules.
- (5) All Persons/Tradesmen, operating a Tourism Unit will have to get their unit registered under the rules. The units in existence before the commencement of these rules, shall have to apply for registration within 90 days of commencement of these rules.
- (6) It will be obligatory for the applicants to have a furnished office for tourism and travel related trade with facilities like, seating space for tourists, telephone, fax, computer, internet, etc.
- (7) The applicants should possess the required technical equipments, safety/security related equipments for operating the concerned tourism and travel trade. It will be obligatory for the applicants to furnish an undertaking to the effect that all required equipments to carry out the concerned tourism and travel trade are available.
- (8) All applicants will have to enclose the list/bio-data of employed technical/skilled manpower required for operating the tourism and travel Trade along with the application.
- (9) If the owner or the manager of the tourism unit makes any alterations, additions or enlargement in the unit, the same shall have to be intimated to the Prescribed Authority within 60 days.

Approval for Registration

5. (1) The application received in office by the Prescribed Authority for different purposes will be disposed of within 60 days of receipt after their thorough examination detailing the acceptance for registration or reasons for rejection. In case the application is not disposed within this period, it will automatically be considered as accepted.
- (2) Until an applicant is refused registration by the Prescribed Authority as per the rules, he will be issued a Registration Certificate for a period of

- five years, which will be renewable after the said period of five years based on merits and demerits.
- (3) Unless the Prescribed Authority refuses to the name of the tourism unit operator and specialties of the unit shall be entered in a register made for the purpose and he/she will be issued certificate of registration as per the case may be.
- Renewal of Registration** 6. Like in case of Rule-4, all registered tourism units will have to apply for renewal of their registration before two months of its expiry to the Prescribed Authority.
- Registration Fee** 7. The Prescribed Authority will collect registration fee, as per the orders issued by the Uttarakhand Tourism Development Board from time-to-time. The registration fee is subject to revision by the Board every third year.
- Refusal of Registration by the Prescribed Authority** 8. (1) The Prescribed Authority may refuse the grant of registration of any Tourism and Travel Trade Unit under these rules or as the case may be based on the following, if —
- the operator of the Tourism and Travel Trade Unit has been convicted under Chapter 14 & 16 of the Indian Penal Code or the rules made there under, or of hoarding or smuggling or profiteering or food adulteration or of any law pertaining to prevention of corruption and if a period of 2 years has not elapsed from the date of such conviction.
 - the operator of tourism and travel trade unit is declared insolvent by any competent court and the same has not been redeemed.
 - the operator fails to comply with the norms and standards laid down by the Board for operation/ maintenance of units from time-to-time.
 - the name of the tourism and travel trade unit has been removed from the register under the provisions contain in rule 9 (c), (d), (e) and (g) and if a period of 3 months has not elapsed from the date of such removal from the register.
 - the premises of the tourism and travel trade unit is not in accordance with the prescribed norms.
 - the tour operator or the guide or the operator of adventure tourism does not possess any of the qualification against the prescribed ones.
 - the tour operator or the guide or the operator of adventure tourism, as the case may be, does not possess the desired Registration Certificate.
 - the operator of the Tourism and Travel Trade Unit fails to produce a proof that the composition of Tourism Unit is in accordance with the prevailing rules and provisions made there under and the same has been established in accordance with the local byelaws for construction of building.
 - in the opinion of the Prescribed Authority there are sufficient reasons in writing to refuse the grant of registration.
- (2) The application made for registration will not be refused unless the applicant has been given an opportunity of being heard.
- Removal of the name of the Tourism and Travel Trade Unit from Register and notice thereof** 9. (1) The Prescribed Authority may, based on any of the following provisions, remove from the register by a written order the name of the Tourism and Travel Trade Unit or as the case may be, and may cancel the Registration Certificate issued under Rule 5.
- If the Tourism and Travel Trade Unit itself opts for closing down the unit or if the unit fails to carry out Trade for more than a year;
 - If the unit has been convicted under any of the provisions of the Indian Penal Code;
 - If the unit has been declared insolvent by a competent court;
 - If the unit fails to comply with any of the provisions of these rules;
 - If the unit fails to evict those tourists residing in the unit who create obstructions and cause inconvenience to the people residing in the unit itself or in the vicinity, or deliberately keeps such tourist in the unit;
 - If there is any complaint of misconduct against the unit and the same has been confirmed;
 - If the operator of the unit makes changes in the composition/layout of the unit without the permission of any local body;
 - If the unit has obtained Registration Certificate by unfair means.

**Right to Inspect
Tourism and Travel
Trade Unit**

- (2) However, before removing the name of the operator from the register, the Prescribed Authority will issue a notice to the operator of the unit explaining the reasons for removal of the name of the unit from the register, thus providing him/her the last opportunity of being heard.
10. (1) In the event of non-compliance of any of the provisions of these rules or complaint(s) made relating thereto; the Prescribed Authority or the authorized competent authority with the consent of the operator shall have the right to enter the premises of the unit and shall have the right to inspect all documents, registers and other cash/bill books.
- (2) In case of non-cooperation/non-compliance, the Competent Authority shall have the right to suspend or cancel the registration of the unit.

Chapter – 3**Duties and Responsibilities of the Operator of
Tourism and Travel Trade Unit****Duties and
Responsibilities of
the Operator of
Tourism and Travel
Trade Unit**

11. (1) The tourism unit operators and its employees shall at all times strictly follow these rules and provisions made therein.
- (2) All tourism unit operators will have to submit the information related to facilities and services offered by them and the rates for the same that will be charged from tourists/customers, to the Prescribed Authority, as also the brochures, etc. for the same will also need to be published. In case the existing charges are changed, the same will have to be intimated to the Prescribed Authority within one week and the same will also need to be displayed at the reception/office room
- (3) All tourism unit operators will have to keep a complaints /suggestion book in their reception of their office
- (4) All tourism unit operators will make available statistics regarding Indian and foreign tourists reporting in the unit to the Prescribed Authority by 7th of every month, as also get it uploaded on the website of the Uttarakhand Tourism Development Board by providing a link.
- (5) In pursuance of the orders given by the Government from time-to-time, all tourism unit operators will have to provide employment to the local people of Uttarakhand in their firms
- (6) All adventure tourism unit operators will have to make available details of the Nepali/Foreign Guides, Senior Guides/Trainers, and Skilled Personnel to the local police station. The tourism unit operator will be responsible for the activities of the Nepali/Foreign Guides and shall have to submit an undertaking for the same with an application to the local Police Station.
- (7) No tourism unit operator will charge extra rates, against any agreed upon contract.
- (8) The operator of the Tourism Unit will furnish item-wise detailed bill to the persons/tourists/customers having sought services in the unit and will issue an original receipt for the money realized and shall keep the duplicate copy thereof safe in the receipt book.
- (9) In case of any accident/unpleasant incident, the tourism unit operator will inform same to the local district administration, police station and registration authority by using fast communication mode.
- (10) All tourism unit operators will have to display the Registration Certificate provided to them by the Board at a prominent and visible place at their reception or office room.
- (11) As per the provisions of Sub-section (2) and the agreed upon rates, the tourism unit operators or any person employed by them, will not ask for any tips/subsidy/gifts/commission from the tourists/service seekers.
12. It will be incumbent upon every operator of Adventure Tourism to get insured each and every tourist and Nepali/Foreign Guides, Senior Guides/Trainers, and Skilled Personnel engaged by him/her on the said operation, as per that fixed by the State Government or Board from time to time.

Insurance Coverage

Chapter-4

Appeal and Review

- Appeal**
13. (1) Subject to provisions made under sub-rule-2, an appeal can be made to the Appellate Authority against the orders of the Prescribed Authority under these rules.
- (2) Every such appeal shall be made within 90 days from the date of the order.
- Provided that the Appellate Authority may entertain the appeal even after expiry of 90 days if he/she is satisfied that the appellant was prevented for sufficient cause from making such appeal.
- (3) The appellant shall have the right to get him/herself represented through an advocate or through a properly appointed agent and the Prescribed Authority may be represented by such an officer or person as may be appointed by the Prescribed Authority.
- (4) On receipt of appeal and after giving reasonable opportunity of being heard to the appellant and after making such an enquiry as he/she may deem appropriate, the Appellate Authority, for reasons to be recorded in writing, may pass such an order as he/she considers appropriate.
- Review**
14. The Reviewing officer, as may be appointed by the Board, on his/her own or on an application by the aggrieved party, shall be empowered to call for all records pertaining to the case including the order passed relating thereto by the Appellate Authority with the objective of making his/her own assessment about the validity correctness and reasonableness of the order so passed and thereafter may pass such order as he/she may consider appropriate and the order so passed shall be deemed final.
- Provided that an application for review shall not be entertain-able on expiry of a period of 3 months from the date of the order passed by the Appellate Authority.
- Provided further that the Reviewing Authority of his own officer may call for the records of the cases pending before him or those decided by any authority and pass such an order as he/she may deem fit.
- Provided further that any order adversely affecting any person under this section shall not be passed unless the person himself, or a person duly authorized by him/her, or his/her advocate has been given reasonable opportunity of being heard.

Chapter-5

Misconduct and Penalty

- Sanction for Violation of Established Orders in regard to Registration Sanctioned for Mis-statement**
15. Under these rules, any person found engaged in tourism and travel trade related activity without proper registration shall be punishable with an amount which may extend up to Rupees Ten Thousand; and in case of continuing contravention with a Rupees One Thousand per day so long as the contravention continues, by the Competent Authority.
16. Under these rules, if any person required to make a statement, knowingly makes a false statement or hides any substantial fact to delude the Prescribed Authority, she/he shall be punishable by Rs. Ten Thousand by the Competent Authority.
- Transfer of Registration Certificate without consent Showing Registration Certificate On Demand**
17. Any person, who transfers or hands over or lends the Registration Certificate granted under these rules without consent of the Competent Authority, shall be punishable with Rs. Ten Thousand by the Competent Authority.
18. (1) A person registered under these rules shall show his/her Registration Certificate to any of the following persons on demand—
- (a) Prescribed Authority or any person duly authorized by him, or
- (b) Any person authorized by the Government or Competent Authority
- (c) Actual Client/Tourist/Guest
- (2) Any person who refuses to show or allow to read his Registration Certificate on demand by the persons so authorized, shall be punishable by an amount of Rs. Five Thousand.
- Punishment for**
19. Any person who commits any misconduct or contravenes any of the

<i>misconduct</i>		other provisions for which sanction has not been provided under these rules, he/she will be punishable by an amount of Rs. Ten Thousand. Subsequent violation may lead to suspension or cancellation of the registration.
<i>Creating hindrances to the authority valid in law</i>	20.	Any person who knowingly creates hindrances or shows resistance to the Prescribed Authority or to any person duly authorized by him under these rules to exercise the power delegated, or in carrying out their duty, shall be punishable by an amount of Rs. One Thousand.
<i>Recovery of penalty</i>	21	If penalties as imposed under section 15 to 20 of these rules are not paid than the recovery will be made as per the provisions of Land Revenue Act.
<i>Initiating Prosecution</i>	22.	No person shall be prosecuted for any offence committed by him under these rules except for the complaints made by the Prescribed Authority or any person duly authorized by him, or any person authorized by the State Government in this behalf.

Chapter – 6

Miscellaneous

<i>Notification of Changes</i>	23.	(1) If any change occurs in the succession of the unit for which a certificate of registration has been obtained, then such a person shall notify this fact in writing to the Prescribed Authority within 30 days of such change. (2) The Prescribed Authority shall make requisite changes in the Registration Certificate and in the register prescribed for the purpose. (3) Notwithstanding anything contained in sub-rules(2), if the said successor is not eligible to be registered under these rules, the Prescribed Authority shall be empowered to remove the name of the person from the register in whose name the certificate of registration was originally granted.
<i>Return of Registration Certificate</i>	24.	Under these rules when a certificate of registration is cancelled, the person holding the certificate shall return the same to the Prescribed Authority within 7 days of service of the cancellation letter in a manner prescribed.
<i>Duplicate Certificate</i>	25.	If the certificate granted under these rules gets lost or destroyed, then the Prescribed Authority may issue a duplicate certificate to the holder of such certificate on his written request on payment of such fees as may be prescribed in this behalf.
<i>Protection</i>	26.	For any action taken or proposed to be taken in good faith under these rules, there shall be no legal action against the Government, or any person of the Government/ Board.
<i>Power of the Board to Apply these Rules to Other Persons</i>	27.	The Board shall be empowered to apply these rules or all or any of the sub-rules including such exceptions, adaptations and modifications as may be deemed necessary to external photography in Uttarakhand State and to those renting or operating house boats, daungis, shikara boats, dandis porters, ponies or to such other persons who may be covered through notifications and the Prescribed Authority shall be empowered to fix the rates to be charged from such person or persons.
<i>Power to Make Rules</i>	28.	(1) The Board shall be competent to implement the provisions of these rules vide the powers delegated to make rules under Sub-section 2 of Section-8 of the Act. (2) Especially and without making any adverse impact on the prevalence of the earlier powers, provisions may be made for the following in such rules— (a) Maintenance of registers, books and formats for trade by the operators of tourism units. (b) Format for application and Registration Certificate. (c) Fees for registration, renewal and issue of duplicate certificate

- (d) Procedure of serving notice under these rules.
- (e) Eligibility for various activities conducted by the operators of travel and trade related units in their various forms.
- (f) Safety measures and standards thereof and the facilities that are provided in the organization of adventure sports.
- (g) Norms for maintenance of health, cleanliness, waste disposal and minimum facilities at different types of tourism units.
- (h) Procedure for publishing the name of the operators whose name is struck off from the register.
- (i) The procedure through which fixed reasonable rates will be displayed, type of tickets and the receipts that are issued, maintenance and submission of accounts and the details relating thereto, registration fee, renewal fee and collection of other outstanding dues and mode of depositing the receipts.
- (j) The place where the Prescribed Authority may conduct enquiry under these rules and all matters whether express or otherwise to be ordained in these rules.
- (k) The information regarding registered units will be submitted to the District Magistrates of the concerned districts.

Annexure-I

Application Form for Registration of Accommodation Unit

(Hotel, Motel/ Road Side Facilities, Resort/ Health-Spa Resort, Timeshare Apartment, Motor Caravan, Guest/Tourist Rest House, Tent Colony, River/Lake Cruise and/or House Boats, Paying Guest House/Bed & Breakfast/Home Stay, Dharamshala, Ashrams)

To,

The Prescribed Authority,
Uttarakhand Tourism Development Board,
.....

Sir,

As per the provisions of the Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013, we are submitting herewith the application for registration of our new/old accommodation unit constructed by me/us. The required information is presented hereunder—

1. **Name of the Accommodation Unit**
Address
Telephone/Mobile/Fax/Email
2. **Name of the Owner/Partner** (1)
(2)
Permanent Address
Current Address
Telephone/Mobile/Fax/Email
3. **Name and Address of the Manager/Caretaker**
4. **Land Details of the Accommodation Unit**
 - a. **Copy of the Registered Deed**
 - b. **Copy of Approved/Sanctioned Building Map and Site Layout Plan**
 - c. **Copy of Mutation**
 - d. **Statutory Status of the Property (Private Ownership, Lease, Rented, Partnership, etc.)**
5. **Year of Construction**
6. **Date of Starting of Accommodation Unit (For Old Units)**
7. **Details of Rooms/Rates of the Accommodation Unit**
 - a. **Suite Room:**
 - b. **Executive Room:**
 - c. **Deluxe/Super Deluxe Room:**
 - d. **Dormitory:**
 - e. **Air Cooled/Standard/Others:**
8. **Details of Total Residential Rooms/Beds**

9. **Details of Facilities available in the Accommodation Unit**
 - a. *Car Parking:*
 - b. *Restaurant:*
 - c. *Bar:*
 - d. *Swimming Pool:*
 - e. *Conference Hall:*
 - f. *Details of Technical Equipments:*
 - g. *Other Facilities:*
10. **Details of Staff (Skilled/Unskilled), their Names, Designation, Address, Experience, Education, Salary, Period of Association, etc.**
11. **Details of the Participation of the Local Community in Employment Generation**
12. **Details of Safely/Security related Equipments**
13. **Audited balance sheets and profit & loss statements, as provisioned under Company Law, duly verified by a CA (In case of renewal)**
14. **Copy of the Receipt of Tax Filed with the Income Tax Department (In case of renewal)**
15. **Details of Previous Registration (In case of Renewal of Registration)**

16. **Declaration**

I/We hereby declare that all the aforementioned information is true and correct to the best of my/our knowledge and I/We are completely aware of the fact that under any circumstances if any of the aforesaid information is found to be false/incorrect, my/our registration can be cancelled/rejected.

Thus, we request you to kindly register my/our said Accommodation Unit under the Section-5 of the Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013.

Enclosure:

Date:

Signature of the Applicant/Partner

Name:

Address:

Mobile/Telephone Number:

Annexure-II

Application Form for Registration of Travel Trade related Unit

(Travel Agent, Domestic Tour Operator, Excursion Agents, etc.)

To,

The Prescribed Authority,
Uttarakhand Tourism Development Board,
.....

Sir,

As per the provisions of the Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013, we are submitting herewith the application for registration of our new/old travel trade related unit operated by me/us. The required information is presented hereunder—

1. **Name of the Travel Trade Unit**
- Address**
- Telephone/Mobile/Fax/Email**
2. **Name of the Owner/Partner** (1)
(2)
- Permanent Address**
- Current Address**
- Telephone/Mobile/Fax/Email**
- Registration Number (Enclose copies of registration under Shops Act, Firms/Societies Registration Act, Service Tax, etc.)**
3. **Name and Address of the Manager/Caretaker**
4. **Statutory Position of the Property (Private Ownership, Lease, Rented, Partnership, etc.)**
5. **Details of the Office Premises**
- a. **Office Area (sq. mtrs.):**
- b. **Location Area (Please tick the appropriate Column)** Commercial () Residential ()
- c. **Reception Area (sq. mtrs.)**
- d. **Toilet Facility (Please tick the appropriate Column)** Yes () No ()
6. **Date of Starting of Travel Trade Unit (For Old Units)**
7. **Experience of Working in the Field of Travel Trade**
8. **Details of Staff (Skilled/Unskilled), their Names, Designation, Address, Experience, Education, Salary, Period of Association, etc.**

10. **Details of the Participation of the Local Community in Employment Generation**
11. **Details of Activities Undertaken**
 - a. *Travel Management*
 - b. *Site Seeing*
 - c. *Hotel Booking*
 - d. *Adventurous Activities*
 - e. *Any other activities*
12. **Details of Safely/Security related Equipments**
13. **Details of Insurance (for Adventurous Activities)**
14. **Details of Activity-wise Rates Charged (Enclose Tariff Cards)**
15. **Name of Bank (Enclose concerned letter from the bank)**
16. **Audited balance sheets and profit & loss statements, as provisioned under Company Law, duly verified by a CA (In case of renewal)**
17. **Copy of the Receipt of Tax Filed with the Income Tax Department (In case of renewal)**
18. **Details of Previous Registration (In case of Renewal of Registration)**

19. **Declaration**

I/We hereby declare that all the aforementioned information is true and correct to the best of my/our knowledge and I/We are completely aware of the fact that under any circumstances if any of the aforesaid information is found to be false/incorrect, my/our registration can be cancelled/rejected.

Thus, we request you to kindly register my/our said Travel Trade related Unit under the Section-5 of the Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013.

Enclosure:

Date:

Signature of the Applicant/Partner

Name:

Address:

Mobile/Telephone Number:

Annexure-III

Application Form for Registration of Food & Beverage Related Unit

(Restaurant/Beer Bar, Fast Food centre/food Plaza/Food Court, etc.)

To,

The Prescribed Authority,
Uttarakhand Tourism Development Board,
.....

Sir,

As per the provisions of the Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013, we are submitting herewith the application for registration of our new/old food & beverage related unit constructed by me/us. The required information is presented hereunder—

1. **Name of the Food & Beverage Unit**
2. **Permanent Address**
- Telephone/Mobile/Fax/Email*
- 3.. **Name of the Owner/Partner** (1)
(2)
- Permanent Address*
- Current Address*
4. **Telephone/Mobile/Fax/Email**
5. **Name and Address of the Manager/Caretaker**
6. **Land Details of the Food & Beverage Unit**
 - a. *Copy of the Registered Deed*
 - b. *Copy of Approved/Sanctioned Building Map and Site Layout Plan*
 - c. *Copy of Mutation*
 - d. *Statutory Status of the Property (Private Ownership, Lease, Rented, Partnership, etc.)*
7. **Year of Construction**
8. **Date of Starting of F & B Unit (For Old Units)**
9. **Total Seating Capacity in the Unit**
10. **Details of Food/Bar License**
11. **Details of Facilities available in the F & B Unit**
 - a. *Bar/Bee Bar:*
 - b. *Public Utilities:*
 - c. *Banquet Hall:*
 - d. *Car Parking:*
 - e. *Other Facilities:*
12. **Audited balance sheets and profit & loss statements, as provisioned under Company Law, duly verified by a CA (In case of renewal)**

13. **Copy of the Receipt of Tax Filed with the Income Tax Department (In case of renewal)**
14. **Details of Previous Registration (In case of Renewal of Registration)**

15. **Declaration**

I/We hereby declare that all the aforementioned information is true and correct to the best of my/our knowledge and I/We are completely aware of the fact that under any circumstances if any of the aforesaid information is found to be false/incorrect, my/our registration can be cancelled/rejected.

Thus, we request you to kindly register my/our said Food & Beverage Unit under the Section-5 of the Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013.

Enclosure:

Date:

Signature of the Applicant/Partner

Name:

Address:

Mobile/Telephone Number:

Annexure-IV

Application Form for Registration of Entertainment Related Unit

{Entertainment/Theme/Amusement Park, Golf Course, Rope
Way, Sound & Light Show, Angling (Fishing), etc.}

To,

The Prescribed Authority,
Uttarakhand Tourism Development Board,
.....

Sir,

As per the provisions of the Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013, we are submitting herewith the application for registration of our Entertainment/Theme/Amusement Park, Golf Course, Rope Way, Sound & Light Show, Angling (Fishing) unit. The required information is presented hereunder—

1. Name of the Entertainment Unit
2. Permanent Address
- Telephone/Mobile/Fax/Email
- 3.. Name of the Owner/Partner (1)
(2)
Permanent Address
Current Address
4. Telephone/Mobile/Fax/Email
5. Name and Address of the Manager/Caretaker
6. Land Details of the Entertainment Unit
 - a. Copy of the Registered Deed
 - b. Copy of Approved/Sanctioned Building Map and Site Layout Plan
 - c. Copy of Mutation
 - d. Statutory Status of the Property (Private Ownership, Lease, Rented, Partnership, etc.)
7. Year of Construction
8. Date of Starting of Entertainment Unit (For Old Units)
9. Details of Rates Charged by the Unit
10. Details of License
11. Details of Facilities available in the Entertainment Unit

- a. *Public Utilities:*
- b. *Banquet Hall:*
- c. *Car Parking:*
- d. *Other Facilities:*
12. **Audited balance sheets and profit & loss statements, as provisioned under Company Law, duly verified by a CA (In case of renewal)**
13. **Copy of the Receipt of Tax Filed with the Income Tax Department (In case of renewal)**
14. **Details of Previous Registration (In case of Renewal of Registration)**

15.

Declaration

I/We hereby declare that all the aforementioned information is true and correct to the best of my/our knowledge and I/We are completely aware of the fact that under any circumstances if any of the aforesaid information is found to be false/incorrect, my/our registration can be cancelled/rejected.

Thus, we request you to kindly register my/our said Entertainment Unit under the Section-5 of the Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013.

Enclosure:

Date:

Signature of the Applicant/Partner

Name:

Address:

Mobile/Telephone Number:

Annexure-V

Application Form for Registration of Adventure Tourism related Unit

(Adventure Tour Operator, Kayaking/Canoeing/Sailing/Yachting/Boating, Water Skiing, Snow Skiing, Trekking, Mountaineering, Rock/Artificial Wall Climbing, Mountain Biking, Wild Life Safari/Bird Watching, Motor Car/Motorcycle Rally, Para Sailing/Gliding, Bungee Jumping, Hot Air Ballooning, Flying Fox, Ice Skating, Adventure Club, River Rafting, etc.)

To,

The Prescribed Authority,
Uttarakhand Tourism Development Board,
.....

Sir,

As per the provisions of the Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013, we are submitting herewith the application for registration of our adventure tourism related unit. The required information is presented hereunder—

1. **Name of the Adventure Tourism Related Unit**
- Address**
- Telephone/Mobile/Fax/Email**
2. **Name of the Owner/Partner** (1)
- (2)
- Permanent Address**
- Current Address**
- Telephone/Mobile/Fax/Email**
- Registration Number** (Enclose copies of registration under Shops Act, Firms/Societies Registration Act, Service Tax, etc.)
3.
4. **Name and Address of the Manager/Caretaker**
-
5. **Statutory Position of the Office of Adventure Tourism Unit** (Private Ownership, Lease, Rented, etc.)
6. **Details of the Office Premises**
- a. **Office Area (sq. mtrs.):**
- b. **Location Area** (Please tick the appropriate Column) Commercial () Residential ()
- c. **Reception Area (sq. mtrs.)**
- d. **Toilet Facility** (Please tick the appropriate Column) Yes () No ()
7. **Date of Starting of Adventure Tourism Unit** (For Old Units)
8. **Experience of Working in the Field of Adventure Tourism**
9. **Details of Staff** (Skilled/Unskilled), their Names, Designation, Address, Experience, Education, Salary, Period

- of Association, etc.
10. Details of the Participation of the Local Community in Employment Generation
11. Details of Activities Undertaken
12. Details of Adventure Sports related Equipments
13. Details of Safely/Security related Equipments
14. Details of Insurance
15. Details of Activity-wise Rates Charged (Enclose Tariff Cards)
16. Name of Bank (Enclose concerned letter from the bank)
17. Audited balance sheets and profit & loss statements, as provisioned under Company Law, duly verified by a CA (In case of renewal)
18. Copy of the Receipt of Tax Filed with the Income Tax Department (In case of renewal)
19. Details of Previous Registration (In case of Renewal of Registration)
20. **Declaration**

I/We hereby declare that all the aforementioned information is true and correct to the best of my/our knowledge and I/We are completely aware of the fact that under any circumstances if any of the aforesaid information is found to be false/incorrect, my/our registration can be cancelled/rejected.

Thus, we request you to kindly register my/our said Adventure Tourism related Unit under the Section-5 of the Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013.

Enclosure:

Date:

Signature of the Applicant/Partner

Name:

Address:

Mobile/Telephone Number:

Annexure-VI

Application Form for Registration of Other Tourism Units

(Handicraft/Souvenir Shop, Yoga Dhyan Centre/ Meditation Cottage, Tourist Information Centre, Nature/Adventure/Wild Life photography, etc.)

To,

The Prescribed Authority,
Uttarakhand Tourism Development Board,
.....

Sir,

As per the provisions of the Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013, we are submitting herewith the application for registration of our tourism related unit. The required information is presented hereunder—

1. Name of the Tourism Unit
2. Permanent Address
- Telephone/Mobile/Fax/Email
- 3.. Name of the Owner/Partner (1)
(2)
Permanent Address
- Current Address
4. Telephone/Mobile/Fax/Email
5. Name and Address of the Manager/Caretaker
6. Details regarding the Nature of Work of the Unit
7. Experience
8. Year of Establishment
9. Date of Starting of Unit (For Old Units)
10. Details regarding Rates Charged by the Unit
11. Details of Facilities available in the Unit
- Audited balance sheets and profit & loss statements, as provisioned under Company Law, duly verified by a CA (In case of renewal)
12. Copy of the Receipt of Tax Filed with the Income Tax Department (In case of renewal)
13. Details of Previous Registration (In case of Renewal of Registration)
14. Renewal of Registration

15.

Declaration

I/We hereby declare that all the aforementioned information is true and correct to the best of my/our knowledge and I/We are completely aware of the fact that under any circumstances if any of the aforesaid information is found to be false/incorrect, my/our registration can be cancelled/rejected.

Thus, we request you to kindly register my/our said Unit under the Section-5 of the Uttarakhand Tourism and Travel Trade Registration Rules-2013.

Enclosure:

Date:

Signature of the Applicant/Partner

Name:

Address:

Mobile/Telephone Number:

By Order,

DR. UMAKANT PANWAR,

Sachiv.

पी०एस०यू० (आर०ई०) 10 हिन्दी गजट/236-भाग 1-2014 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 08 मार्च, 2014 ई0 (फाल्गुन 17, 1935 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

February 13, 2014

No. 06 UHC/XIV-a-45/Admin.A/2008--Sri Malik Mazhar Sultan, Addl. Director, Uttarakhand Judicial & Legal Academy, Bhowali, District Nainital is hereby sanctioned earned leave for 22 days w.e.f. 17.01.2014 to 07.02.2014 with permission to suffix 08-02-2014 & 09-02-2014 as 2nd Saturday & Sunday holidays, for the purpose of L.T.C.

By Order of Hon'ble the Chief Justice,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

February 13, 2014

No. 07 UHC/XIV/71/Admin.A/2003--Ms. Neena Aggarwal, 2nd Additional District & Sessions Judge, Udham Singh Nagar is hereby sanctioned child care leave for 18 days w.e.f. 01.01.2014 to 18.01.2014 in terms of Office Memorandum No. 11/XXVII(7)34/2011 dated 30-05-2011 issued by Government of Uttarakhand.

NOTIFICATION

February 13, 2014

No. 08 /XIV/15/Admin.A/2008--Smt. Anuradha Garg, Addl. Chief Judicial Magistrate, Kashipur, District Udham Singh Nagar is hereby sanctioned Maternity (miscarriage) leave for 31 days w.e.f. 04.12.2013 to 03.01.2014, in terms of Subsidiary Rule 153 (2) Chapter XIII of F.H.B., Volume II (Parts 2-4).

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 10 हिन्दी गजट/236-भाग 1-क-2014 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 08 मार्च, 2014 ई0 (फाल्गुन 17, 1935 शक सम्बत्)

भाग 3

स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया

कार्यालय निदेशक, पंचायतीराज, उत्तराखण्ड, देहरादून

अधिसूचना

21 फरवरी, 2014 ई0

संख्या 2299/पं0-3/ग्रा0पं0पुनर्ग0/2013-14-उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 (उत्तराखण्ड में अनुकूलित एवं उपान्तरित) की धारा 3 एवं 11-च के परिवर्तित उपबन्धों एवं तत्सम्बन्धी अधिसूचना संख्या 2334/तेंतीस-1-94-149/94 दिनांक 09 मई, 1994 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, हरि चन्द्र सेमवाल, निदेशक, पंचायतीराज, उत्तराखण्ड, विकास खण्ड द्वारीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल की ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति को संशोधित करते हुए शहरी विकास अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या 120/IV(1)2014-90 (सा)2004 दिनांक 08-02-2014 के द्वारा कतिपय राजस्व ग्रामों के नगर पंचायत सतपुली में विलीन होने के कारण एतद्वारा निम्न सारणी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित राजस्व ग्रामों को स्तम्भ 7 में उल्लिखित ग्राम सभा, तदनुसार स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट ग्राम पंचायत क्षेत्र में सम्मिलित किए जाने की स्वीकृति प्रदान करता हूँ। यह संशोधन जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल के प्रस्ताव/संस्तुति के आधार पर जारी किया जा रहा है।

क्षेत्र पंचायत का नाम-द्वारीखाल				जनपद का नाम-पौड़ी गढ़वाल			
वर्तमान स्थिति				संशोधित स्थिति			
गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र	गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7	8
87	1 सतपुली मल्ली	सतपुली मल्ली	सतपुली मल्ली	सम्पूर्ण ग्राम सभा नगर पंचायत में विलीन।			
86	2 सतपुली सैण	सतपुली सैण	सतपुली सैण	सम्पूर्ण ग्राम सभा नगर पंचायत में विलीन।			

अधिसूचना

21 फरवरी, 2014 ई0

संख्या 2300/पं0-3/ग्रा0पं0पुनर्ग0/2013-14-उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 (उत्तराखण्ड में अनुकूलित एवं उपान्तरित) की धारा 3 एवं 11-च के परिवर्तित उपबन्धों एवं तत्सम्बन्धी अधिसूचना संख्या 2334/तैतीस-1-94-149/94 दिनांक 09 मई, 1994 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं हरि चन्द्र सेमवाल, निदेशक, पंचायतीराज, उत्तराखण्ड विकास खण्ड भिलंगना, जनपद टिहरी गढ़वाल की ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति को संशोधित करते हुए शहरी विकास अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या 116/IV(1)2014-1(19)2012 दिनांक 08-02-2014 के द्वारा कतिपय राजस्व ग्रामों के पूर्ण क्षेत्र एवं राजस्व ग्राम बहेड़ा के 02.855 है0 एवं राजस्व ग्राम गिरगाँव के 28.777 है0 क्षेत्रफल के नगर पंचायत घनसाली में विलीन होने के कारण एतद्वारा निम्न सारणी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित राजस्व ग्रामों को स्तम्भ 7 में उल्लिखित ग्राम सभा, तदनुसार स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट ग्राम पंचायत क्षेत्र में सम्मिलित किए जाने की स्वीकृति प्रदान करता हूँ। यह संशोधन जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल के प्रस्ताव/संस्तुति के आधार पर जारी किया जा रहा है।

क्षेत्र पंचायत का नाम-भिलंगना				जनपद का नाम-टिहरी गढ़वाल			
वर्तमान स्थिति				संशोधित स्थिति			
गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र	गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7	8
50	1 चवासेरा	चवासेरा	चवासेरा	राजस्व ग्राम चवासेरा नगर पंचायत में विलीन।			
	2 घनसाली			राजस्व ग्राम चवासेरा नगर पंचायत में विलीन।			
	3 बौर			50	1 बौर	बौर (नवगठित)	बौर
125	1 बहेड़ा	बहेड़ा	बहेड़ा	125	1 बहेड़ा (न.पं.में अंशतः शामिल)	बहेड़ा (पुनर्गठित)	बहेड़ा
157	1 रौसाल	रौसाल	रौसाल	157	1 रौसाल	रौसाल	रौसाल
	2 गिरगाँव				2 गिरगाँव (न.पं.में अंशतः शामिल)		

अधिसूचना

21 फरवरी, 2014 ई0

संख्या 2301/पं0-3/ग्रा0पं0पुनर्ग0/2013-14-उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 (उत्तराखण्ड में अनुकूलित एवं उपान्तरित) की धारा 3 एवं 11-च के परिवर्तित उपबन्धों एवं तत्सम्बन्धी अधिसूचना संख्या 2334/तैतीस-1-94-149/94 दिनांक 09 मई, 1994 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, हरि चन्द्र सेमवाल, निदेशक, पंचायतीराज, उत्तराखण्ड, विकास खण्ड नरेन्द्रनगर, जनपद टिहरी गढ़वाल की ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति को संशोधित करते हुए शहरी विकास अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या 115/IV(1)2014-1(41)2012 दिनांक 08-02-2014 के द्वारा राजस्व ग्राम ढालवाला के नगर पालिका मुनिकीरेती-ढालवाला में विलीन होने के कारण एतद्वारा निम्न सारणी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित राजस्व ग्रामों को स्तम्भ 7 में उल्लिखित ग्राम सभा, तदनुसार स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट ग्राम पंचायत क्षेत्र में सम्मिलित किए जाने की स्वीकृति प्रदान करता हूँ। यह संशोधन जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल के प्रस्ताव/संस्तुति के आधार पर जारी किया जा रहा है।

क्षेत्र पंचायत का नाम-नरेन्द्रनगर				जनपद का नाम-टिहरी गढ़वाल			
वर्तमान स्थिति				संशोधित स्थिति			
गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र	गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7	8
42	1 ढालवाला	ढालवाला	ढालवाला	सम्पूर्ण ग्राम सभा नगर पालिका में विलीन।			

अधिसूचना

21 फरवरी, 2014 ई0

संख्या 2302/पं0-3/ग्रा0पं0पुनर्ग0/2013-14-उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 (उत्तराखण्ड में अनुकूलित एवं उपान्तरित) की धारा 3 एवं 11-च के परिवर्तित उपबन्धों एवं तत्सम्बन्धी अधिसूचना संख्या 2334/तैंतीस-1-94-149/94 दिनांक 09 मई, 1994 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, हरि चन्द्र सेमवाल, निदेशक, पंचायतीराज, उत्तराखण्ड, विकास खण्ड कपकोट, जनपद बागेश्वर की ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति को संशोधित करते हुए शहरी विकास अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या 122/IV(1)2014-1(36)2012 दिनांक 08-02-2014 के द्वारा कतिपय राजस्व ग्रामों के नगर पंचायत बेरीनाग में विलीन होने के कारण एतद्वारा निम्न सारणी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित राजस्व ग्रामों को स्तम्भ 7 में उल्लिखित ग्राम समा, तदनुसार स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट ग्राम पंचायत क्षेत्र में सम्मिलित किए जाने की स्वीकृति प्रदान करता हूँ। यह संशोधन जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ के प्रस्ताव/संस्तुति के आधार पर जारी किया जा रहा है।

क्षेत्र पंचायत का नाम-बेरीनाग वर्तमान स्थिति				जनपद का नाम-पिथौरागढ़ संशोधित स्थिति			
गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र	गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7	8
55	1 बेरीनाग	बेरीनाग	बेरीनाग	सम्पूर्ण ग्राम सभा नगर पंचायत में विलीन।			
	2 कलुवाखान						
48	1 बना	बना	बना	सम्पूर्ण ग्राम सभा नगर पंचायत में विलीन।			
79	1 सांगड	सांगड	सांगड	राजस्व ग्राम सांगड नगर पंचायत में विलीन।			
	2 बोरासागड						
	3 सालीखेत						
30	1 ढनौलीपंत	ढनौलीपंत	ढनौलीपंत	राजस्व ग्राम ढनौलीपंत नगर पंचायत में विलीन।			
	2 डोलकूडा			30	1 डोलकूडा	सानीखेत (नवगठित)	सानीखेत
	3 सानीखेत				2 सानीखेत		
	4 दिगतोली				3 दिगतोली		
	5 पिनारी				4 पिनारी		
	6 हपलेत				5 हपलेत		
	7 बनौलीमैतोला				6 बनौलीमैतोला		
					7 बोरासागड	(क्र.79 से शामिल)	
					8 सालीखेत	(क्र.79 से शामिल)	
15	1 खितोली	खितोली	खितोली	राजस्व ग्राम खितोली नगर पंचायत में विलीन।			
	2 तमोलीग्वीर			15	1 तमोलीग्वीर	तमोलीग्वीर (नवगठित)	तमोलीग्वीर
62	1 भट्टीगांव बडाउ	भट्टीगांव बडाउ	भट्टीगांव बडाउ	राजस्व ग्राम भट्टीगांव बडाउ नगर पंचायत में विलीन।			
	2 पथराडी						
7	1 क्वैराली	क्वैराली	क्वैराली	7	1 क्वैराली	क्वैराली (पुनर्गठित)	क्वैराली
					2 पथराडी	(क्र.62 से शामिल)	

अधिसूचना

21 फरवरी, 2014 ई0

संख्या 2303/पं0-3/ग्रा0पं0पुनर्ग0/2013-14-उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 (उत्तराखण्ड में अनुकूलित एवं उपान्तरित) की धारा 3 एवं 11-च के परिवर्तित उपबन्धों एवं तत्सम्बन्धी अधिसूचना संख्या 2334/तैंतीस-1-94-149/94 दिनांक 09 मई, 1994 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, हरि चन्द्र सेमवाल, निदेशक, पंचायतीराज, उत्तराखण्ड, विकास खण्ड चम्पावत, जनपद चम्पावत की ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति को संशोधित करते हुए शहरी विकास अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या 119/IV(1)2014-03(घो0)2011 दिनांक 08-02-2014 के द्वारा राजस्व ग्राम भजनपुर का 16.752 है0, बनबसा का 34.0804 है0, पचपकरिया का 17.635 है0, बमनपुरी का 4.006 है0 एवं चन्दनी का 18.943 है0 क्षेत्रफल नगर पंचायत बनबसा में विलीन होने के कारण एतद्द्वारा निम्न सारणी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित राजस्व ग्रामों को स्तम्भ 7 में उल्लिखित ग्राम सभा, तदनुसार स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट ग्राम पंचायत क्षेत्र में सम्मिलित किए जाने की स्वीकृति प्रदान करता हूँ। यह संशोधन जिलाधिकारी, चम्पावत के प्रस्ताव/संस्तुति के आधार पर जारी किया जा रहा है।

क्षेत्र पंचायत का नाम-चम्पावत				जनपद का नाम-चम्पावत			
वर्तमान स्थिति				संशोधित स्थिति			
गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र	गजट क्रमांक	राजस्व ग्राम का नाम	ग्राम सभा का नाम	पंचायत क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7	8
69	1 बनबसा	बनबसा	बनबसा	69	1 बनबसा (न.पं. में अंशतः शामिल)	बनबसा (पुनर्गठित)	बनबसा
52	1 पचपकरिया	पचपकरिया	पचपकरिया	52	1 पचपकरिया (न.पं.में अंशतः शामिल)	पचपकरिया (पुनर्गठित)	पचपकरिया
77	1 भजनपुर	भजनपुर	भजनपुर	77	1 भजनपुर (न.पं. में अंशतः शामिल)	भजनपुर (पुनर्गठित)	भजनपुर
27	1 चन्दनी	चन्दनी	चन्दनी	27	1 चन्दनी (न.पं.में अंशतः शामिल)	चन्दनी (पुनर्गठित)	चन्दनी
	2 आनन्दपुर				2 आनन्दपुर		
	3 कटुवापाटी				3 कटुवापाटी		
70	1 बमनपुरी	बमनपुरी	बमनपुरी	70	1 बमनपुरी (न.पं. में अंशतः शामिल)	बमनपुरी (पुनर्गठित)	बमनपुरी

हरि चन्द्र सेमवाल,
निदेशक।

कार्यालय आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी

पंचायती राज विभाग

31 जनवरी, 2014 ई0

सं0 1143/23-5(6)(2013-14)—जिला पंचायत, हरिद्वार द्वारा उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम-1961 की धारा-239(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जिला पंचायत, हरिद्वार अपने अधिकार क्षेत्रान्तर्गत जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माणाधीन होटल, इंजीनियरिंग कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, शॉपिंग माल, एम्बुजमेन्ट पार्क/वाटर पार्क, रिसोर्ट एपार्टमेन्ट, फैक्ट्री आदि के नक्शा जिला पंचायत से स्वीकृत करवाने के सम्बन्धी उपविधियां बनाई गई हैं।

अतएव, अधिनियम की धारा-242(2) की अपेक्षानुसार आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी उक्त उपविधियों की शासकीय गजट में प्रकाशनार्थ पुष्टि करते हैं। यह उपविधियां उत्तराखण्ड के शासकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगी।

जिला पंचायत, हरिद्वार ने उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 यथा शं शोधित अधिनियम की धारा 239(2) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माणाधीन होटल, इंजिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, शॉपिंग माल, एम्बुजमेन्ट पार्क/वाटर पार्क, रिसोर्ट, एपार्टमेन्ट फैक्ट्री आदि के नक्शा जिला पंचायत से स्वीकृत करवाने के निमित्त निम्न उपविधियां बनाई है।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति विज्ञापन तिथि से तीस दिन के भीतर लिखित रूप में जिला पंचायत कार्यालय मायापुर हरिद्वार में प्रेषित करें, तीस दिन के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं होगा, और इन उपनियम को अन्तिम रूप देकर धारा 342(2) के अन्तर्गत आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी को पुष्टि हेतु भेजा जायेगा।

उपविधियां

1— यह उपविधियां जिला पंचायत, हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों, ग्रामीण बाजारों में निर्माणाधीन होटल, इंजिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, शॉपिंग माल, एम्बुजमेन्ट पार्क/वाटर पार्क, रिसोर्ट, एपार्टमेन्ट फैक्ट्री आदि कार्यों के नक्शा अनुमोदन सम्बन्धी उपविधियां कहलायेंगी।

2— यह उपविधियां शासकीय गजट में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।

3— इन उपविधियों में ग्रामीण क्षेत्रों, ग्रामीण बाजार का तात्पर्य जिला हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक सड़को पर या उनके किनारे ऐसे दुकान तथा बाजारों से है, जो उन स्थानों पर पड़ाव आबादी के रूप में विकसित हो चुके हो, और जो किसी अधिसूचित क्षेत्र, टाउन एरिया, कन्टोमेन्ट एरिया, अथवा म्यूनिसिपैलिटी के सीमान्तर्गत न हो।

4- कोई भी व्यक्ति फर्म, संसी, आदि जिला पंचायत, हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक, व्यवसायिक, उद्देश्य से निर्माणाधीन होटल, इन्जिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों शापिंग काम्पलेक्स, शापिंग माल, एम्बुजमेन्ट पार्क/वाटर पार्क, रिसोर्ट, एपार्टमेन्ट फैक्ट्री का निर्माण तब तक नहीं कर सकेगा, जब तक उस व्यक्ति, फर्म, संस्था जिला पंचायत, हरिद्वार से उसका नक्शा पास न करवा लिया हो।

5- इमारत का निर्माण या उसमें परिवर्तन नोटिस के पश्चात तथा उपविधियों के अनुसार होगा :-

(1) नियंत्रित ग्राम्य क्षेत्र में किसी सार्वजनिक सड़क या स्थान अथवा सरकार (जिला पंचायत) या (क्षेत्र पंचायत) में निहित सम्पत्ति से लगी हुई या उसके पार्श्वस्थ किसी इमारत का निर्माण या पुनर्निर्माण या किसी विद्यमान इमारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन या किसी कुएं को बनाने या उसे बड़ा करने का कार्य सरकार द्वारा बनाये गये नियम या जिला पंचायत द्वारा बनाई गई उपविधि के निर्देशों के अनुसरण से अन्यथा नहीं किया जायेगा और उसका आरम्भ तक न किया जायेगा जब तक कि जिला पंचायत को प्रस्तावित निर्माण या परिवर्तन का ऐसे व्योरो सहित, जिनका नोटिस के साथ प्रस्तुत किया जाना उपविधि द्वारा अपेक्षित हो, कम से कम एक महीने का अग्रिम नोटिस लिखित रूप में न दे दिया गया हो।

(2) किसी इमारत में कोई परिवर्तन इस अध्याय के तथा किसी नियम या उपविधि के प्रयोजन के लिये महत्वपूर्ण समझा जायेगा, यदि-

(क) उससे इमारत के स्थायित्व या सुरक्षा पर या जल-निस्तारण, संवातन (वेंटीलेशन), स्वच्छता या स्वास्थ्य रक्षा की दृष्टि से इमारत की स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो या पड़ने की सम्भावना हो, या

(खा) उससे किसी इमारत की ऊँचाई, क्षेत्रफल या घन-धारिता बढ़ती या घटती हो या इमारत के किसी कमरे की घन-धारिता किसी उपविधि द्वारा नियत न्यूनतम मात्रा से कम हो जाती हो, या

(ग) उससे कोई ऐसी इमारत या उसका भाग, जो मूलतः अन्य प्रयोजनों के लिये बनाया गया हो, मनुष्यों के रहने के स्थान में परिवर्तित हो जाय, या

(घा) वह ऐसा परिवर्तन हो, जो तदर्थ बनाई गई किसी उपविधि द्वारा महत्वपूर्ण परिवर्तन घोषित किया गया हो।

5- जिला हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक, व्यवसायिक उद्देश्य से निर्मित किये जाने वाले निर्माणाधीन होटल, इन्जिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों पर तथा मनोरंजन केन्द्र के निर्माण में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा :-

(क) प्रत्येक निर्माणाधीन होटल, इन्जिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों पर, मनोरंजन केन्द्र का निर्माण करते समय मुख्य सड़क पर मनोरंजन केन्द्र का निर्माण करते समय मुख्य सड़क से 75 फिट दूर निर्माण करना होगा, तथा लिंक रोड से 15 फिट छोड़कर निर्माण करें।

(खा) निर्माण कार्य सड़क के नाली से बाहर करना होगा।

(ग) निर्माणाधीन होटल, इन्जिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों का निर्माण करते समय पर्यावरण का पूर्ण ध्यान रखना होगा। निर्माणाधीन होटल, इन्जिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों के समीप छाया/हवादार पेड़ लगाने होंगे, तथा स्थिति के अनुसार पार्क आदि की व्यवस्था भी करनी होगी।

(ङ) भूमि संचयी तथा सरकारी एवं गैर सरकारी विवाद उठने पर निर्माण को निर्माणकर्ता की स्वयं की जिम्मेदारी होगी।

(ड) मकान/भवन निर्माण पर चिमनी खुली हवा की ओर रखनी अनिवार्य होगी, ताकि बस्ती व पड़ोसियों पर उसका कुप्रभाव न पड़े, इसके अतिरिक्त शौचालय व पे शाबघर, शर्तों के अनुरूप रखने होंगे तथा उनका निकास यदि सीवर लाइन पड़ी हो तो उसमें जोड़ना होगा। यदि सीवर लाइन न हो तो उसका सोक पिट ऐसे सुरक्षित स्थान पर बनाया जायेगा, जिससे किसी अन्य को किसी हानि या गन्दगी का सामना न करना पड़े। सफाई का पर्याप्त बन्दोबस्त करना होगा।

(च) 20 से अधिक बिस्तर वाले होटलों में कार/बस पार्किंग की व्यवस्था करनी होगी।

6- जिला पंचायत, हरिद्वार के अवर अभियन्ता/अभियन्ता की संस्तुति पर जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी उपरोक्त उद्देश्य से किये जाने वाले निर्माण कार्य के मानचित्र (नक्शा) स्वीकृत करने के अधिकारी होंगे।

7- जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक/व्यवसायिक उद्देश्य से निर्मित किये जाने वाले निर्माणाधीन होटल, इन्जिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों, मनोरंजन केन्द्र के स्वामी की उपरोक्त उपविधियों का पालन करना अनिवार्य होगा। उपरोक्त किसी भी उपविधि का उल्लंघन करने पर जिला पंचायत, हरिद्वार ऐसे व्यक्ति, फर्म, संस्था आदि के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करने के लिये स्वतन्त्र होगी।

8- जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक/व्यवसायिक उद्देश्य से निर्माणाधीन होटल, इन्जिनियर कालेज, मेडीकल कालेज एवं इस तरह के अन्य सभी निजी/व्यवसायिक भवनों, मनोरंजन केन्द्र आदि के लिये जिला पंचायत से उसका नक्शा पास करवाना अनिवार्य होगा, जिसका शुल्क जिला पंचायत कार्यालय में निम्न प्रकार जमा करना होगा।

व्यवसायिक उपयोग हेतु :-

1- केवल ग्राउण्ड फ्लोर पर बने भवन के लिये 1.00 रु0 प्रति वर्ग मीटर।

2- बहु मंजिला भवनों के लिये 5 मंजिल तक पर 0.50 पैसे प्रति वर्ग मीटर तक अनुमति है। बहुमंजिला भवन की ऊँच ई 5 मंजिल से अधिक नहीं होनी चाहिए।

व्यवसायिक प्रयोग हेतु :-

- 1- केवल ग्राउण्ड फ्लोर पर बने भवन के लिये 0.25 रू0 प्रति वर्ग मीटर।
- 2- बहु मंजिला भवनों के लिये 5 मंजिल तक पर 0.20 रू0 प्रति वर्ग मीटर तक अनुमति है। बहुमंजिला भवन की ऊँचाई 5 मंजिल से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- 3- समय-समय पर दरों को पुनरीक्षित करने का अधिकार जिला पंचायत सदन को होगा।
- 9- स्वीकृति की अवधि
 - (1) जिला पंचायत द्वारा दी गयी स्वीकृति पांच वर्ष तक की अवधि के लिये मान्य रहेगी।
 - (2) उक्त अवधि समाप्त होने के बाद प्रस्तावित निर्माण कार्य पूर्वगामी धारा के अधीन स्वीकृति के बिना नहीं किया जायेगा।
- 10 (क) यह नियत करना कि तदर्थ निर्दिष्ट की गई दर के शुल्क देने पर जिला पंचायत से नक्शे विनिर्दिष्ट प्लॉट प्राप्त की जा सकेंगी।
- (ख) नियंत्रित ग्राम्य क्षेत्र के भीतर किसी नियत क्षेत्र या क्षेत्रों में उन इमारतों के जो बनाई या न बनाई जा सकती हो, प्रकार और विवरण तथा वे प्रयोजन जिनके लिये कोई इमारत बनाई या न बनाई जा सकें, नियत करना।
- (ग) इमारतों के या उनके किसी वर्ग के निर्माण, पुनर्निर्माण या परिवर्तन के सम्बन्ध में निम्नांकित विधियों में से सब या कोई विधि नियत करना। भूकम्परोधी हो। प्रोपर वेंटीलेशन, रेन वाटर हारवेस्टिंग आई0एस0आई0, तथा अन्य जो उचित हो।
- 11- (1) बाहरी और विभाजक दीवारों, छतों तथा फर्श के निर्माण में प्रयुक्त किये जाने वाला सामान और उनके निर्माण की रीति। आर0सी0सी0 एवं ईट कार्य से की जायेगी।
- (2) अग्नि-स्थानों, चिमनियों, नालियों, शौचालयों, संडासों, मूत्रालयों और नलकूपों की स्थिति तथा उनके निर्माण में प्रयुक्त किया जाने वाला सामान सामाग्री आई0एस0आई0 मार्क का होना चाहिए।
- (3) ऐसी सबसे ऊँची मंजिल की जो मनुष्यों के रहने या भोजन पकाने के कामों के लिये अभिप्रेत हो, छत की ऊँचाई 10 से 12 फुट तक होनी चाहिए।
- (4) संवातन (वेंटीलेशन) तथा स्थान जो इमारत के चारों ओर वायु के निर्बाध संचालन तथा घर की सफाई को सुन्दर बनाने तथा आग लगाने की रोक थाम के निमित्त छोड़ा जायेगा।
- (5) नींव की सतह तथा चौड़ाई सबसे निचली मंजिल की सतह और निर्माण का स्थायित्व।
- (6) इमारत में बनाई जाने वाली मंजिलों की संख्या और ऊँचाई स्वीकृत मानचित्र के अनुसार होनी चाहिए।
- (7) आग लग जाने पर इमारत से बाहर निकलने के साधनों की व्यवस्था। आग बुझाने के लिये अग्नि शमन यन्त्र पर नोरम्स के अनुसार लगाना चाहिए।

- (8) कोई ऐसा अन्य वि षय जिसका इमारत के संवातन (वेन्टीलेशन) या स्वच्छता पर प्रभाव पड़े के अनुरूप न हो।
- (9) रेन वाटर हारवेस्टिंग के लिये समुचित टैंक आदि की व्यवस्था किया जाना चाहिए।
- (10) काई भी निर्माण कार्य भूकम्परोधी आर0सी0सी0 स्ट्रूक्चर पर बनाया जाना आवश्यक है।

दण्ड

उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 240 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, हरिद्वार यह निर्देश देती है कि जो व्यक्ति इस उपविधियों का उल्लंघन करेगा, वह दण्ड से दण्डनीय होगा, जो रू0 5000.00 तक होगा, और यदि ऐसा उल्लंघन जारी रहें, तो अतिरिक्त अर्थदण्ड से दण्डित होगा, जो प्रथम दो षा सिद्ध होने के बाद ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिनके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि उसमें अपराधी अपराध करता है, रू0 100.00 प्रतिदिन तक दण्ड लिया जा सकेगा।

पंचायती राज विभाग

31 जनवरी, 2014 ई0

सं0 1144/23-5(7)(2013-14)—जिला पंचायत, हरिद्वार द्वारा उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम-1961 की धारा-239(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जिला पंचायत, हरिद्वार अपने अधिकार क्षेत्रान्तर्गत जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विभागों/संस्थाओं/निगमों/व्यक्तिगत संस्थाएं (एन0जी0ओ0)/केन्द्रीय सरकार द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों के संचालन हेतु ठेकेदारी उपविधियां-2013 बनाई गई हैं।

अतएव, अधिनियम की धारा-242(2) की अपेक्षानुसार आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी उक्त उपविधियों की शासकीय गजट में प्रकाशनार्थ पुष्टि करते हैं। यह उपविधियां उत्तराखण्ड के शासकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगी।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को इन उपविधियों से कोई आपत्ति हो तो वे जिला पंचायत, कार्यालय में प्रकाशन के एक माह (30 दिन) के अन्दर अपनी अपत्ति दर्ज करा सकते हैं। 30 दिन के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा, और इन उपविधियों को अन्तिम रूप देकर धारा 242 (2) के अन्तर्गत आयुक्त महोदय को स्वीकृति हेतु एवं गजट में प्रकाशनार्थ प्रेषित कर दिया जायेगा।

जिला पंचायत, हरिद्वार ने उ0प्र0 क्षेत्र समिति एवं जिला पंचायत अधिनियम 1961 यथा संशोधित अधिनियम की धारा 239(2) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विभागों/संस्थाओं/निगमों/व्यक्तिगत संस्थाएं (एन0जी0ओ0) / केन्द्रीय सरकार द्वारा कराये जा रहें निर्माण कार्यों के संचालन हेतु ठेकेदारी उपविधियां 2013 बनाई गई है।

परिशिष्ट- 1

1. ये उपनियम जिला पंचायत, हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहें निर्माण कार्य जो विभिन्न विभागों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों द्वारा संचालित किये जा रहे हैं, से सम्बन्धित उपनियम 2013 कहलाई जायेगी।
2. कोई भी ठेकेदार/फर्म/व्यक्ति/संस्था तब तक हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र में किसी भी प्रकार का कोई ठेका नहीं करेगा जब तक उसके पास जिला पंचायत, हरिद्वार का ठेकेदारी लाईसेन्स प्राप्त न किया हो।
3. जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्य कराने वाले विभाग को अपने विभाग में तब तक उस ठेकेदार को ठेका नहीं देगा, जब तक वह जिला पंचायत का ठेकेदारी लाईसेन्स सम्बन्धित विभाग को जमा न कर दे।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में प्राइवेट कान्ट्रैक्टर जो भवन निर्माण करता है, उसे भी जिला पंचायत का ठेकेदारी लाईसेन्स लेना होगा।
5. जिला पंचायत हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में बिल्डर्स/कालोनाईजर/तथा प्रापर्टी डीलर जो प्लॉट बनाकर जमीन बेचता हो उसे भी जिला पंचायत का लाईसेन्स लेना अनिवार्य होगा।
6. कोई भी बिल्डर्स तथा कालोनाईजर जो ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार का व्यवसाय करेगा, उसे भी जिला पंचायत का लाईसेन्स प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
7. कोई भी संस्था/फर्म/सोसाईटी जो ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का ठेका/कालोनी/प्रापर्टी का कार्य करता है, तो निर्धारित शुल्क जमा करना होगा, जो जिला पंचायत द्वारा निर्धारित किया जायेगा।
8. ठेकेदारों/कोलोनाईजरों/प्रापर्टी डीलरों/बिल्डरों का पंजीकरण एवं लाईसेन्स शुल्क निर्धारण निम्न उपनियमों के अन्तर्गत किया जायेगा।

(1) लाईसेन्स शुल्क की दर प्रति वर्ष निम्न प्रकार होगी :-

(क) प्रथम श्रेणी 10 लाख से अधिक तक के कार्य करने हेतु
2000/-

(खा) द्वितीय श्रेणी 10 लाख से कम तक के कार्य करने हेतु
1000/-

(ग) कोलोनाईजर्स 20000/-

(घा) बिल्डर्स 25000/-

(ड) प्रापर्टी डीलर्स 1000/-

परिशिष्ट- 2

कोई भी व्यक्ति, फर्म, संस्था आदि जो जिला पंचायत, हरिद्वार के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का ठेका निम्न उपनियमों के अधीन ले सकते हैं :-

(क) कोई भी व्यक्ति, फर्म, संस्था आदि जो जिला पंचायत, हरिद्वार के कार्यों का ठेका लेना चाहे को इन उपविधियों के अनुसार निर्माण/मरम्मत कार्य करने का ठेकेदारी लाईसेन्स लेना अनिवार्य होगा।

(खा) पंजीकरण हेतु निम्नानुसार श्रेणियां आरक्षित धनराशि के अनुसार होंगी :-

श्रेणी	जमानत धनराशि	ठेके की मूल्यांकन सीमा
प्रथम	20000/- रू0 एन0एस0सी0	5 लाख से अधिक मूल्य के ठेके के लिये
द्वितीय	10000/- रू0 एन0एस0सी0	5 लाख से कम मूल्य के ठेके के लिये

इन उपविधियों के पारित होने से पूर्व जो ठेकेदार विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत जिला पंचायत में पंजीकृत हैं, को उनकी श्रेणी हेतु नवीन निर्धारित आरक्षित धनराशि के अनुसार अतिरिक्त जमानत धनराशि जमा करनी होगी। अतिरिक्त धनराशि जमा होने पर ही उनका पंजीकरण वैध माना जायेगा।

(ग) जिला पंचायत, हरिद्वार में निर्माण/मरम्मत के अधीन पंजीकृत ठेकेदारों/संस्थाओं/फर्मों को ही निर्माण/मरम्मत कार्यों का ठेका दिया जायेगा।

(ड) पंजीकरण की अवधि कम से कम 3 वर्ष होगी और अवधि से पूर्व आरक्षित धनराशि किसी भी दशा में वापस नहीं होगी।

(च) पंजीकृत ठेकेदार/संस्था/फर्म के लिखित प्रार्थना पत्र पर अध्यक्ष/अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, हरिद्वार उनकी श्रेणी में परिवर्तन कर सकेंगे, किन्तु परिवर्तित श्रेणी के अनुसार जमानत धनराशि के अन्तर की धनराशि ठेकेदार/संस्था/फर्म को एन0एस0सी0 के रूप में जमा करनी होगी।

(छ) अभियन्ता जिला पंचायत, हरिद्वार पंजीकृत ठेकेदारों की तदनुसार एक पंजिका रखेंगे जिसमें श्रेणीवार एवं विकास खण्ड के अनुसार पंजीकृत ठेकेदार/फर्म/संस्था का नाम, पूरा पता, श्रेणी, पैन कार्ड नं0 आदि पूर्ण विवरण अंकित किया जायेगा।

- (ज) किसी भी दशा में ठेकेदार/संस्था/फर्म को अभियन्ता जिला पंचायत की संस्तुति पर अध्यक्ष/अपर मुख्य अधिकारी द्वारा ब्लैक लिस्ट किया जा सकेगा। ऐसी दशा में पंजीकरण स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा एवं ठेकेदार द्वारा पंचायत को पहुँचाई गई क्षति की कटौती जमानत धनराशि से की जायेगी। ब्लैक लिस्ट एवं पंजीकरण निरस्त निम्न दशाओं में किया जायेगा :-
- (1) यदि समय जिसमें बढ़ाई गई समयावधि भी शामिल है के अन्दर कार्य पूर्ण न किया जाये।
- (2) कार्य पूर्ण न करे और नोटिस मिलने पर अपूर्ण या त्रुटिपूर्ण कार्य को पुनः दिये गये समयान्तर्गत पूरा न करें।
- (3) बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के प्लान स्टीमेन्ट के विपरीत कार्य करें।
- (4) जिस पर गलत ढंग से कार्य करने, कार्यालय द्वारा दिये गये सामान को बेचने आदि के सम्बन्ध में दोष सिद्ध हो जाये।
- (5) ठेका बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के बेचने पर यदि ठेका बेचा जाना सिद्ध हो जाये।
- (6) निम्न स्तर की सामग्री प्रयोग करने पर।
- (7) पंजीकरण तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य सम्पादन के निमित्त वित्तीय वर्ष का लाईसेन्स शुल्क जमा न होने की दशा में।
- (झ) जिला पंचायत से लाईसेन्स प्राप्त करने वाले व्यक्ति, फर्म, संस्था को प्रतिवर्ष अपना लाईसेन्स का नवीनीकरण कराना अनिवार्य होगा।
- (त) जिला पंचायत द्वारा निर्गत लाईसेन्स की वैधता एक वर्ष की होगी जो वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक मानी जायेगी।
- (था) जमा किया गया लाईसेन्स शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं होगा।

दण्ड

उ0प्र0 क्षेत्र समिति एवं जिला पंचायत अधिनियम की धारा 240 द्वारा प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, हरिद्वार यह आदेश देती है, कि उपरोक्त उपविधियों में से किसी भी उपविधि का उल्लंघन करने पर उल्लंघनकर्ता को न्यायालयों द्वारा दोष सिद्ध होने पर 5000/- ₹0 तक का अर्थ दण्ड दिया जा सकता है, तथा प्रथम दोष सिद्ध होने पर ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिनमें उल्लंघन जारी रहा, 100/- ₹0 प्रति दिन के हिसाब से जुर्माना किया जा सकता है, और जुर्माना अदा न करने पर 3 मास का साधारण कारावास का दण्ड किया जा सकता है।

शूरवीर सिंह मटूरा,
अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत, हरिद्वार।

अंजुम,
अध्यक्ष,
जिला पंचायत, हरिद्वार।

डी0 एस0 गब्र्याल,
आयुक्त,
गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।

कार्यालय जिला पंचायत, पिथौरागढ़

सर्वसाधारण को सूचना

24 फरवरी, 2014 ई0

संख्या 1208/इक्कीस-8/2013-14-जिला पंचायत, पिथौरागढ़ द्वारा उत्तर प्रदेश क्षेत्र समिति तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 (संशोधित उ0प्र0 अधिनियम सं0 9, सन् 1994 व अधिनियम सं0 29, सन् 1995) की धारा 143 के साथ पठित धारा 239 (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, पिथौरागढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैफिक पार्किंग तथा जन साधारण की सुरक्षा एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए लदान-दुलान कर नियमित/निश्चित करने हेतु निम्नलिखित उपविधियां सृजित की जाती हैं जो कि राजकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगी। जिस किसी व्यक्ति को इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति/सुझाव हो तो वह सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिन के भीतर पंजीकृत डाक से अथवा स्वयं उपस्थित होकर जिला पंचायत कार्यालय को अवगत करा सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात आपत्ति/सुझावों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

लदान-दुलान की
उपविधियां

1. यह उपविधियां जिला पंचायत, पिथौरागढ़ की लदान- दुलान (ट्रैफिक पार्किंग एवं जनसाधारण की सुरक्षा एवं सुविधा) उपविधियां कहलायेगी।

2. यह उपविधियां जिला पंचायत, पिथौरागढ़ के द्वारा विधिपूर्वक पुष्टि होने के उपरान्त सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रभावी होगी।

3. यह उपविधियां जनपद पिथौरागढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगी।

4. परिभाषाएँ:-

(क) ग्रामीण क्षेत्रों का अर्थ उत्तर प्रदेश क्षेत्र समिति एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961(एक्ट सं. 33, सन् 1961) में दी गयी परिभाषाओं के अनुसार होगी।

(ख) पशु बाजार या मेला जनसाधारण के उपयोग में आने वाले सामान जहाँ से निश्चित अड़डे बनाकर जिला पंचायत अड़डे संचालित करेंगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ से भी विभिन्न सामान का लदान/दुलान होगा, वे इस क्षेत्र में सम्मिलित होंगे।

(ग) सार्वजनिक स्थान उस स्थान अथवा स्थानों से है, जहाँ जनसाधारण का आवागमन होता है।

(घ) वाहन का तात्पर्य यांत्रिक वाहनों से है जो लदान/दुलान में प्रयोग किये जाते हैं।

5. इन उपविधियों के अन्तर्गत जो भी वाहन पिथौरागढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में जनउपयोग सामान का लदान अथवा दुलान में चलाया जा रहा हो अथवा उसके इस प्रयोजनार्थ चलाने की शंका हो, उसे तलाशी हेतु इन उपविधियों के निम्न अनुसूची- 1 के अनुसार शुल्क भुगतान करने हेतु रोका जा सकता है। ऐसे वाहन के मालिक/मालिकों को निर्धारित शुल्क के साथ दण्ड की धनराशि का भी भुगतान करना होगा। जो वाहन निर्धारित भुगतान नहीं करेगा अथवा उपरोक्तानुसार रोकने पर निर्धारित अड़डों पर नहीं रुकेगा, ऐसे वाहन स्वामी के विरुद्ध अध्यक्ष, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत पुलिस बल प्रयोग कर सकते हैं।

टिप्पणी:- वाहन मालिक का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जो वाहन चला रहा हो अथवा वाहन में बैठकर उसे नियन्त्रित कर रहा हो।

6. जब तक निम्न अनुसूची के अनुसार निर्धारित शुल्क अदा नहीं किया जायेगा, कोई भी वाहन पशुबाजारों में अथवा जिला पंचायत द्वारा निर्दिष्ट स्थानों से किसी वाहन से लदान-दुलान नहीं करेगा।

7. जिला पंचायत, पिथौरागढ़ ऐसे स्थान, स्टैण्ड या अड्डों के निर्धारण की आवश्यक व्यवस्था करेगी तथा वाहन के लदान/दुलान हेतु जिला पंचायत पिथौरागढ़ अड्डा बनायेगी। वाहन से सम्बन्धित व्यक्तियों के पानी पीने के लिए ठण्डे पानी की व्यवस्था करेगी, आवश्यकतानुसार अड्डों पर छाया की व्यवस्था करेगी एवं विभिन्न सामान जैसे- नदियों के किनारे पत्थरों का लदान/दुलान आदि व्यवस्थित करने हेतु रास्तों की समुचित व्यवस्था/मरम्मत भी करेगी।

8. इन उपविधियों के अन्तर्गत कोई भी वाहन किसी भी समय और किसी भी गली में जैसे ऊपर कहा गया है, निर्दिष्ट अड्डे के सिवाय जो कि इस परियोजना हेतु निश्चित है, के अलावा खड़ा नहीं करेगा और उसे खड़ा करने हेतु निर्धारित शुल्क भुगतान करेगा।

9. जिला पंचायत, पिथौरागढ़ जन सुरक्षा, सुविधा व जनसाधारण की असुविधा को दूर करने हेतु जो भी उचित/आवश्यक समझे वह गलियों में ऐसे यातायात के नियन्त्रण हेतु स्थान निश्चित करेंगे और उसके विषय में आवश्यक हिदायतें जारी करेंगे, जो कि इन उपविधियों के अन्तर्गत सभी वर्णित वाहनों उसके स्वामी चालकों पर बन्धनकारी होंगे। अड्डों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जनता की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानान्तरित करने का अधिकार अध्यक्ष जिला पंचायत को होगा।

10. जिला पंचायत के अधिकारियों (जिनका वर्णन जिला परिषद् अधिनियम में है) को अधिकार होगा कि वह मोटर व्हीकल एक्ट के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारियों की मोटर व्हीकल एक्ट के प्राविधानों के उल्लंघनों के बारे में और नियमों के उल्लंघन के बारे में सम्बन्धित अधिकारियों को सूचित करें और उचित कार्यवाही की मांग करें।

11. जिला पंचायत, पिथौरागढ़ स्टैण्ड या अड्डा या ठहरने का स्थान जो भी इन उपविधियों में ऊपर वर्णित है के शुल्क को घटाने या बढ़ाने या किसी विशिष्ट श्रेणी के वाहनों को किसी विशिष्ट समय या अन्य के लिये छूट दे सकती है। खाद, गन्ना या कृषि कार्य के उपयोग में प्रयोग लिये जा रहे वाहन इन उपविधियों के शुल्क से मुक्त होंगे।

12. कथित शुल्क की वसूली जिला पंचायत, पिथौरागढ़ द्वारा इस कार्य हेतु अधिकृत किसी भी अधिकारी या कर्मचारी या व्यक्ति द्वारा सीधे अथवा किसी निश्चित अवधि के लिये सार्वजनिक नीलामी द्वारा ठेके पर देकर करायी जा सकती है।

टिप्पणी- नीलामी द्वारा ठेके पर ठेकेदार द्वारा वसूली की दशा में अध्यक्ष/अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को समाधान रहे, जिसके लिए वह ठेकेदार से नियमानुसार अनुबन्ध तहरीर पंजीकृत करायेगा, जिस पर होने वाला कुल व्यय सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा वहन किया जायेगा।

13. जिला पंचायत को लदान-ढुलान शुल्क को प्रत्येक 2 वर्ष पश्चात बढ़ाने का अधिकार होगा।

14. अध्यक्ष जिला पंचायत को पूर्ण अधिकार रहेगा कि वह इन उपविधियों को प्रभावी एवं बन्धनकारी करने के लिये हर दशा में इस उल्लंघन को रोकने हेतु जिला स्तर के अधिकारियों की सहायता जैसा वह उचित समझें, स्वतन्त्र रूप से या उल्लंघन के लिये जो दण्ड निर्धारित है, उसका उपयोग करें।

15. क्षेत्र समिति तथा जिला पंचायत, अधिनियम, 1961 की धारा 240 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों के द्वारा यह हिदायत दी जाती है कि इन उपविधियों के पूर्ण रूप से अथवा किसी अंश का उल्लंघन करने की दशा में उल्लंघन करने वाले व्यक्ति से अर्थ दण्ड वसूल किया जायेगा, जो 1000.00 रु0 तक हो सकता है और जब तक वह उल्लंघन चालू रहे तो प्रथम सजा के बाद 50.00 रुपये प्रतिदिन जब तक कि अपराध चले अर्थदण्ड लिया जायेगा तथा यदि यह समाधान हो जाय कि अपराध उपविधियों का उल्लंघन करने का आदि है तो उसे तीन मास तक की कैद की सजा भी दी जा सकती है।

पार्किंग एवं लदान/ढुलान शुल्क :

वाहन का नाम :

रु0

1.मिनी ट्रक

30.00

2.ट्रैक्टर ट्राली

40.00

3.बड़ा ट्रक

50.00

ह0 (अस्पष्ट)

अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत, पिथौरागढ़।

अध्यक्ष,

जिला पंचायत, पिथौरागढ़।

अवनेन्द्र सिंह नयाल,
आयुक्त।